■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-49)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 16 जनवरी ,2023

▶ धूमधाम से मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

▶ लड़कियों क साथ होटल मं खाना खा रहा था अजगर

▶ वनडे वर्ल्ड कप में शिखर को जगह मिलेगी या नहीं?

सीएम ने चढ़ाई आस्था की पहली खिचड़ी और की मंगल कामनाएं

गोरखपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मकर संक्रांति के पावन पर्व पर रविवार सुबह चार बजे गुरु गोरखनाथ को नाथ पंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार पुण्य काल में आस्था की पहली खिचड़ी चढ़ाई और लोकमंगल की कामना की। उसके बाद नेपाल राजवंश की ओर से खिचड़ी चढ़ाई गई। यह जानकारी रविवार को यहां लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान में दी गयी। उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ के महंत हैं और मकर संक्रांति के पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में विख्यात खिचड़ी मेले का आयोजन होता है जो एक माह तक चलता है।

72 यात्रियों को लेकर उड़ रहा विमान लैंडिंग से 10 सेकेंड पहले हुआ दुर्घटनाग्रस्त प्लेन में सवार सभी की मौत

नेपाल के पोखरा में रविवार को 72 लोगों को लेकर जा रहा यात्री विमान एटीआर-72 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काठमांडू से पोखरा जा रहा था। विमान ने सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी। यह कथित तौर पर हवाई अड्डे पर उतरने से दस सेकंड पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमें सवार सभी लोगों के मारे जाने की खबर है। विमान पुराने घरेलू हवाई अड्डे और पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच बहने वाली सेती गंडकी नदी के तट पर स्थित जंगली भूमि में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त होते ही विमान में आग लग गई और बचावकर्मी इसे उतारने की कोशिश कर रहे

थे। यात्री घोषणापत्र से पता चलता है कि जहाज पर सवार यात्रियों में से 11 अंतरराष्ट्रीय आगंतुक थे और उनमें से तीन शिशु थे। हवाईअड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा, ख्दुर्घटना के समय विमान में 53 नेपाली, पांच भारतीय, चार रूसी, एक आयरिश नागरिक, दो कोरियाई, एक अर्जेंटीना और एक फ्रांसीसी नागरिक सवार थे। पोखरा एयरपोर्ट पर यात्री विमान हादसे के बाद सरकार ने कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है। नेपाल विमानन प्राधिकरण के सूत्रों ने आगे कहा कि इस मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह 500 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति वाला एटीआर 72 प्लेन टर्बो क्रॉप था।

विमान में 72 यात्रियों में 5 भारतीय सवार थे

नेपाल के पोखरा हवाईअड्डे के पास 72 लोगों को लेकर जा रहा यात्री विमान एटीआर-72 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काठमांडू से पोखरा जा रहा था। यति एयरलाइंस के विमान में 68 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। बचाव कार्य जारी है और हवाईअड्डे को फिलहाल के लिए बंद कर दिया गया है। यात्री विमान कथित तौर पर उतरने से सिर्फ दस सेकंड पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के स्टाफ के मुताबिक पोखरा का रनवे पूर्व-पश्चिम दिशा में बना है। प्रारंभ में पायलट ने पूर्व से लैंडिंग के लिए कहा और अनुमति दी गई। हालांकि, बाद में पायलट ने पश्चिम दिशा से उतरने की अनुमति मांगी और उसे फिर से अनुमति दे दी गई। लेकिन लैंडिंग से दस सेकंड पहले विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पोखरा घाटी में दिन साफ था और मौसम की स्थिति प्रतिकूल नहीं थी। दुर्घटनाग्रस्त विमान एटीआर-72 था, जो पर्वतीय क्षेत्र में एक विमानन कार्यक्षेत्र था। क्रैश के कारणों का पता ब्लैकबॉक्स के डेटा के विश्लेषण के बाद ही चलेगा। नेपाल हवाईअड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से लैंडिंग की अनुमति ली और इसके लिए हामी भर दी गई। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा कि लैंडिंग से ठीक पहले विमान में आग की लपटें देखी गईं, इसलिए दुर्घटना के लिए प्रतिकूल मौसम की स्थिति से इनकार किया। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और गृह मंत्री रबी लामिछाने विमान दुर्घटना के कारणों को समझने और बचाव की स्थिति की समीक्षा करने के लिए त्रिभुवन हवाईअड्डे पहुंचे।

न्यूज संक्षिप्त

शाहजहांपुर जेल में कैदी की मौत

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में हत्या के मामले में जिला कारागार में बंद एक कैदी की कथित तौर पर बीमारी के चलते जिला अस्पताल में मौत हो गई। जेल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने रविवार को पीटीआई को बताया कि थाना कलान के गंगोरी गांव निवासी राम भरोसे (60)1997में हुई एक हत्या के मामले में नामजद था। उन्होंने बताया कि राम भरोसे की जमानत होने के बाद वह कई वर्ष पहले जेल से जमानत पर छूट गया था लेकिन बाद में जमानत निरस्त होने पर 25 नवंबर 2022को फिर से जेल लाया गया था। उन्होंने बताया कि कैदी राम भरोसे को सांस संबंधी बीमारी थी और वह नशा भी करता था। उन्होंने बताया कि जिला कारागार में लाने के बाद से ही वह जेल के अस्पताल में ही भर्ती रहा और शनिवार उसकी हालत बिगड़ने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। लाल ने बताया कि बंदी के परिजनों को सूचना भेज दी गई है और आगे की आव ?यक कार्रवाई की जा रही है।

कपड़ा बाजार में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में कपड़ा मार्केट में आग लगने की जानकारी सामने आ रही है। शहर के शहागंज इलाके में कपड़ा बाजार में आग लगी है। इससे इलाके में हड़कंप मच गया है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आग शहागंज क्षेत्र में स्थित न्यू फैशन होलसेल शॉप के गोदाम में आज दोपहर में भड़की।

कर्नाटक की जेल में बंद गैंगस्टर ने गडकरी को दी थी धमकी

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी को फोन कर धमकी देने के मामले में महाराष्ट्र की नागपुर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। नागपुर पुलिस ने बताया कि कर्नाटक की बेलगावी जेल में बंद गैंगस्टर ने गडकरी के ऑफिस में फोन कर धमकी दी। अब महाराष्ट्र पुलिस उस गैंगस्टर को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुटी है। शनिवार शाम केंद्रीय परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी के नागपुर स्थित ऑफिस में फोन कर उन्हें धमकी दी गई। केंद्रीय मंत्री को धमकी मिलने की बात सामने आते ही हड़कंप मच गया। तुरंत प्रशासनिक अमला सतर्क हुआ। कॉल डिटेल्स खंगाली गई। जिसके बाद महाराष्ट्र की नागपुर

पुलिस ने इस मामले में बड़ा खुलासा किया है। नागपुर पुलिस ने बताया कि कर्नाटक की बेलगावी जेल में बंद गैंगस्टर ने गडकरी के ऑफिस में फोन कर धमकी दी। अब महाराष्ट्र पुलिस उस गैंगस्टर को रिमांड पर लेने की तैयारी में जुटी है। इस बात की जानकारी नागपुर के पुलिस आयुक्त ने दिया है। उन्होंने बताया कि गडकरी को धमकी कर्नाटक के बेलगावी जेल में बंद गैंगस्टर जयेश कांथा उर्फ जयेश पुजारी ने दी। जयेश कांथा हत्या के मामले में जेल में बद है। उसपर और कई आपराधिक मामले दर्ज है। उनसे जेल के अंदर से अवैध फोन का इस्तेमाल करते हुए गडकरी के दफ्तर में फोन कर धमकी दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गडकरी को धमकी देने वाला गैंगस्टर जयेश कांथा साल 2016 में जेल तोड़कर भाग गया था। इसके पहले भी जेल के भीतर से कई बड़े अधिकारी और दूसरे लोगों को वो धमकी दे चुका है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच करके पता लगाने की कोशिश कर रही है कि धमकी के पीछे क्या केवल जयेश पूजारी अकेला है या इसके पीछे कोई अंडरवर्ल्ड का बड़ा गैंगस्टर भी है। आगे की जांच के लिए नागपुर पुलिस की एक टीम तुरंत बेलगांव के लिए रवाना कर दी गई है। उल्लेखनीय हो कि शनिवार शाम केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक व्यक्ति ने खुद को दाऊद इब्राहिम गिरोह का सदस्य बताकर धमकी दी थी। खामला में गडकरी के जनसंपर्क कार्यालय में सुबह 11 बजकर 25 मिनट से दोपहर साढ़े 12 बजे के बीच तीन धमकी भरे फोन कॉल आए जिसके बाद नागपुर से सांसद और बीजेपी के नेता गडकरी के नागपुर स्थित घर और ऑफिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

मोदी ने सेना दिवस पर कहा प्रत्येक भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेना दिवस के मौके पर भारतीय सेना की तारीफ करते हुए कहा कि सैनिकों ने हमेशा देश को सुरक्षित रखा है और संकट के समय सेवा के लिए व्यापक रूप से उनकी प्रशंसा की जाती है। फील्ड मार्शल के एम करियप्पा के 15 जनवरी 1949 को अपने ब्रिटिश पूर्ववर्ती के स्थान पर भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ का पदभार संभालने के उपलक्ष्य में सेना दिवस मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''सेना दिवस पर, मैं सभी सैन्यकर्मियों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। प्रत्येक भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है और हम अपने सैनिकों के हमेशा आभारी रहेंगे।'' मोदी ने कहा, ''उन्होंने हमेशा हमारे देश को सुरक्षित रखा है तथा संकट के समय सेवा के लिए उनकी व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है।

राजौरी आतंकी हमले के दोषियों को भारी कीमत चुकानी होगी: मनोज सिन्हा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि राजौरी जिले के डांगरीगांव में हाल में हुए आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को इस जघन्य हमले की भारी कीमत चुकानी होगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम आवाम की आवाज में केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। दरअसल, एक और दो जनवरी को राजौरी के डांगरी गांव में आतंकवादियों द्वारा किए गए दो हमलों में एक विशेष समुदाय के सात लोगों की मौत हो गयी थी और 14 अन्य घायल हो गए थे।

उपराज्यपाल सिन्हा ने राजौरी आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शहीदों के परिवार गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करें, यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों को अपने जघन्य कृत्य की भारी कीमत चुकानी होगी। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश एकजुट है।'' उपराज्यपाल ने कहा,'' हम एक नए साल में प्रवेश कर चुके हैं और संकल्प से एकजुट हैं। हमने 2022 में कई चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है और अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में नए मील के पत्थर हासिल किए हैं।'' मनोज सिन्हा ने कहा, '' प्रशासन की ओर से की गयीं नयी पहलों ने आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद की है। आज हमारे सामने लक्ष्य स्पष्ट है। सक्रिय जनभागीदारी से हम जम्मू-कश्मीर के तीव्र, समावेशी, न्यायसंगत और सतत विकास के पथ पर बढ़ रहे हैं।''

दिल्ली में कल मोदी का रोड शो, कई रास्ते रहेंगे बंद

नई दिल्ली। दिल्ली में कल प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो होगा, जिसके चलते कई इलाकों की सड़कों में भारी जाम देखा जा सकता है। इसी को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें बताया है कि कौन से रूट बंद रहेंगे और कहां का रूट डायवर्ट रहेगा। सोमवार यानी कल 16 जनवरी को पटेल चौक से संसद मार्ग-जय सिंह रोड जंक्शन तक एक रोड शो आयोजित करने वाली है, जो दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। इस रोड शो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इसके साथ ही कई बड़े नेता और भाजपा के कार्यकर्ता सहित आम लोग शामिल होंगे। ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें बताया गया है ।

गुजरात की जीत पर अमित शाह का बड़ा दावा

2024 में फिर प्रधानमंत्री बनेंगे नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार यानी आज गुजरात में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए गुजरात चुनाव के नतीजों ने पूरे देश में यह संदेश दिया है कि नरेंद्र मोदी 2024 में फिर से प्रधानमंत्री चुने जाएंगे। गुजरात का चुनाव सिर्फ राज्य के लिए ही नहीं बल्कि देश के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं और पूरा देश एक बार फिर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात के लोगों ने रिकॉर्ड संख्या के साथ भारतीय जनता पार्टी को चुनकर गुजरात और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश करने वालों को जवाब दे दिया है।

इसके साथ ही अमित शाह ने कहा कि गुजरात के लोगों ने जातिवाद के जहर को खत्म करने का काम किया है और झूठे, झूठे व आकर्षक वादे करने वालों को थप्पड़ मारा है। कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक गुजरात का संदेश पहुंच गया है कि मोदी साहब 2024 में फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

भाजपा सरकार को अपने कार्यों को बताने की जरूरत नहीं

अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को बताने की कोई जरूरत नहीं है। एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां एक पार्टी ने 27 साल तक निर्बाध रूप से शासन किया हो। गुजरात एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भाजपा ने 27 साल और उससे अधिक समय तक शासन किया है।

नागरिकों के महान बनने से महान बनता है देश

अमित शाह ने कहा कि अगर कोई भी देश या किसी भी देश के लोग सपने देखना चाहते हैं और महान बनना चाहते हैं, तो कोई भी देश तब तक महान नहीं बन सकता जब तक कि उसके नागरिक महान न बन जाए।

अभी कयामत की ठंड बाकी, तापमान -4 तक गिरेगा? इस मौसम एजेंसी ने अब की नई भविष्यवाणी

दिल्ली से लेकर पूरे उत्तर भारत में ठंड का सितम जारी है. दिल्ली में बीते दिनों न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था. इसके साथ ही एक मौसम विशेषज्ञ ने चौंकाने वाली भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में तापमान शून्य से नीचे -4 डिग्री सेल्सियस तक गिरेगा. इसमें यह भी कहा गया था कि जनवरी का महीना ठंड की चपेट में रहेगा. इस भविष्यवाणी को लेकर अब स्काईमेट मौसम एजेंसी ने चौंकाने वाली बात कही है. आइये आपको बताते हैं कि स्काईमेट ने क्या कहा.मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली स्काईमेट मौसम एजेंसी ने कहा कि दिल्ली का तापमान शून्य से नीचे नहीं जाएगा. अखबारों और टीवी चैनलों में अफवाहें चल रही हैं कि दिल्ली का तापमान शून्य से नीचे -4 डिग्री तक गिर जाएगा. यह एक गलत भविष्यवाणी है. शायद सुर्खियों में आने के लिए ऐसा कहा गया है. कृपया ऐसी निराधार अफवाहों पर विश्वास न करें. ठंड के लिए जिम्मेदार ङ्खष्ठ (पश्चिमी विक्षोभ) दूर जा रहा है.स्काईमेट का यह ट्वीट मौसम विशेषज्ञ के उस बयान के बाद आया है जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि अगले सप्ताह उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में तापमान शून्य से -4 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर सकता है. एजेंसी ने कहा कि दिल्ली में 16 से 18 जनवरी के बीच न्यूनतम तापमान 3-4 डिग्री और अलग-अलग इलाकों में न्यूनतम तापमान लगभग 2 डिग्री हो सकता है, लेकिन यह कहीं भी 0 डिग्री से नीचे नहीं जाएगा. लाइव वेदर ऑफ इंडिया के संस्थापक मौसम विशेषज्ञ नवदीप दहिया ने 16 से 18 जनवरी के बीच अत्यधिक ठंड की भविष्यवाणी की थी.भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से तीन डिग्री अधिक है. मौसम विभाग ने भी दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है. अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है. राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी के पहले हिस्से में लगभग अभूतपूर्व ठंड दर्ज होने के बाद एजेंसी ने कहा कि राजस्थान के कुछ हिस्सों ङ्क सीकर और चूरू में सबजीरो न्यूनतम तापमान संभव है.

सभी देशवासियों, राज्यवासियों, नगर वासियों एवं क्षेत्रीयवासियों, सम्पादक साथियों व मेरे प्रिय पत्रकार भाइयों सहित शासन-प्रशासन और देश-प्रदेश से जुड़े हुए बी पी एस न्यूज के पाठक व सम्मानित मित्रों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

सम्पादक

बी.पी. साहू

8423454502,
9335908846

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

सम्पादकीय

बाड़ खाए खेत

यह घटनाक्रम परेशान करने वाला है कि जिन लोगों पर किसानों की मेहनत से उगाये अन्न के संरक्षण व न्यायसंगत वितरण का दायित्व था, वे ही निहित स्वार्थों के लिये इसको ठिकाने लगाने में शामिल थे। देश के नीति-नियंताओं ने जिस विभाग की स्थापना किसान को न्यायसंगत दाम देकर भूख के कारगर समाधान के लिये की थी, उसी विभाग की काली भेड़ें आज घोटालों व हेराफेरी में लिप्त पाई गयी हैं। इस बात की पुष्टि सीबीआई द्वारा पंजाब,हरियाणा व दिल्ली के पचास ठिकानों पर हुई दबिश से होती है। इस छापे में जहां भारतीय खाद्य निगम के चंडीगढ़ स्थित उप महाप्रबंधक व एक एग्रो इंडस्ट्री के मालिक को गिरफ्तार किया है, वहीं चौहत्तर लोगों के खिलाफ केस दर्ज किये गये हैं। इतना ही नहीं, अस्सी लाख से अधिक की नकदी भी बरामद हुई है। कैसी विडंबना है कि जिन लोगों पर खाद्यान्न संरक्षण का दायित्व था वे ही इसकी बंदरबांट में लगे थे। आपराधिक कृत्य देखिये कि कुछ अनाज के व्यापारी व निजी चावल मिल मालिक घटिया अनाज सस्ती दरों में खरीदकर अधिकारियों की जेब गर्म करने के बाद एफसीआई को ऊंचे दामों में बेचकर गोदामों में रखवा देते थे। दुर्भाग्य की बात है कि यही अनाज सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को बांटा जाता था। पता नहीं कब से यह गोरखधंधा चल रहा था। इस छापे में बरामद मोटी रकम घोटाले के आकार की ओर इशारा करती है। निस्संदेह, सीबीआई का 'ऑपरेशन कनक' भ्रष्ट अधिकारियों के लिये एक सबक साबित होगा और भविष्य में हेराफेरी करने से पहले कई बार सोचेंगे। पक्की बात है कि सीबीआई की जांच में भविष्य में कुछ बड़े खुलासे होंगे और विभाग की कई बड़ी काली भेड़ें सामने आएंगी। फिलहाल भी एफसीआई के एक कार्यकारी निदेशक समेत 74 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन लोगों में विभाग के कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी, कुछ संस्थाएं और बिचौलिये किस्म के आम लोग भी शामिल हैं।निस्संदेह, यह गोरखधंधा कई वर्षों से चल रहा होगा। इस घोटाले में एफसीआई द्वारा आउटसोर्स किये गये बेनामी गोदामों को भ्रष्टाचार का जरिया बनाया गया। इस बात की पुष्टि सीबीआई अधिकारियों ने भी की है। जिसमें पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को भी संदिग्ध बताया जाता है। निस्संदेह, भारतीय खाद्य निगम, कारोबारियों व प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा बनाये भ्रष्टाचार के नापाक गठजोड़ पर सीबीआई की चोट एक स्वागत योग्य कदम है। बेहतर होता कि वर्षों पहले इस तरह के अपवित्र गठबंधन की लगातार निगरानी होती। कहना कठिन है कि भ्रष्ट अधिकारियों का यह निंदनीय कृत्य कब से चल रहा था और कितने गरीब व जरूरतमंद लोग घटिया अनाज लेने को मजबूर रहे होंगे। कहीं न कहीं इस तरह के मामलों में किसानों के साथ भी अन्याय होता रहा है। सिंडिकेट के जरिये घटिया अनाज खरीदकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चूना लगाया जाता रहा है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई में भ्रष्ट भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों, चावल मिल मालिकों तथा बिचौलियों के सिंडिकेट में शामिल है।

जवाब मांगते समय के सुलगते सवाल

भाजपा के छोटे–बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफगानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए! उनके कहने का मतलब साफ था कि भारत तो अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला था, इन देशों को भारत में जोड़ने की बात राहुल गांधी को करनी चाहिए।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' जब शुरू हुई तो ऐसे लोगों की कमी नहीं थी, जिन्होंने इसे संशय की दृष्टि से देखा था। बहुतों ने मज़ाक भी उड़ाया था और बार-बार इस आशय का संदेश देने की कोशिश की थी कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का यह दांव 'सफल' होने जैसी चीज़ ही नहीं है। सफलता से उनका क्या आशय था, यह तो नहीं पता, पर जिस तरीके और गति से यह यात्रा आगे बढ़ रही है, उसने देश के सत्तारूढ़ दल में खलबली अवश्य मचा दी है। इस यात्रा को जो जन-समर्थन मिल रहा है और जिस तरह से राहुल गांधी की छवि में अंतर आ रहा है, वह कांग्रेस पार्टी के लिए निश्चित रूप से उत्साहवर्धक है और भाजपा के लिए चिंता की बात भी (यह कहना तो अभी मुश्किल है कि कांग्रेस पार्टी को इस यात्रा का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा अथवा यह जन-समर्थन आम चुनाव में वोटों में कितना बदलेगा, पर यह स्पष्ट दिख रहा है कि यात्रा की शुरुआत में 'भारत जोड़ने' को लेकर कांग्रेस-विरोधी जो मज़ाक उड़ा रहे थे, अब उनका स्वर धीमा पड़ गया है। भाजपा के छोटे-बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफगानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए! उनके कहने का मतलब साफ था कि भारत तो अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला था, इन देशों को भारत में जोड़ने की बात राहुल गांधी को करनी चाहिए। सच पूछा जाये तो आज यह सोच ही मज़ाक लग रहा है, पर यही कह कर कोशिश की जा रही थी इस यात्रा का मज़ाक उड़ाने की।यह सही है कि देश को जोड़ने की अपनी बात को, और अपनी इस कोशिश को, राहुल गांधी चुनावी राजनीति से अलग करके दिखाना चाह रहे हैं, पर हकीकत यही है कि यह एक सोचा-समझा राजनीतिक दांव है। अब जबकि यात्रा दो-तिहाई से अधिक पूरी हो चुकी है, भाजपा को भी यह डर सताने लगा है कि कहीं दांव सफल न हो जाये।इसी डर के चलते भाजपा ने अपने दांव शुरू कर दिये हैं। भाजपा की चुनावी रणनीति के सूत्रधार और देश के गृहमंत्री ने पिछले दिनों त्रिपुरा की एक 'चुनावी रैली' में 'राहुल बाबा' से कान खोलकर सुनने के लिए कहा है कि एक जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में 'भव्य राममंदिर' का 'लोकार्पण' करेंगे। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनने वाला राम मंदिर तो पूरा होना ही था, उसे लेकर अब इस तरह की बयानबाजी का मतलब यही है कि भाजपा को लग रहा है कि राम के सहारे ही उसकी नैया पार लग सकती है इसमें कोई संदेह नहीं कि 1 जनवरी, 2024 को, यानी आम चुनाव वाले साल के पहले दिन यदि प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के किनारे लगा दिये गये लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती जैसे नेताओं को साथ लेकर 'भव्य और गगन चुंबी' राम-मंदिर में प्रवेश करते हैं तो एक बार फिर उन्हें राम के नाम पर वोट पाने का मौका मिल जायेगा। यह सही है कि भाजपा की चुनावी राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी एक करिश्माई व्यक्तित्व के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर सही यह भी है कि राम मंदिर का चुनावी-लाभ भी भाजपा लगातार उठाती रही है। यह भी सही है कि 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा काफी सफल रहा है, पर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा ने धर्म के नाम पर बांटने की नीति का भी खूब लाभ उठाया है। गृहमंत्री अमितशाह ने जब त्रिपुरा में बाबर द्वारा मंदिर ढहाकर मस्जिद बनाने की बात कही तो उसी सांस में वे यह कहना भी नहीं भूले कि कांग्रेस पार्टी ने आधी सदी से ज्यादा समय तक अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने का काम किया है। यही नहीं, उन्होंने यह कहना भी ज़रूरी समझा कि अब मथुरा और काशी के विवाद को भी निपटाना है। स्पष्ट है, लगभग साल भर बाद होने वाले आम चुनाव में भाजपा मंदिर के मुद्दे का पूरा लाभ उठाना चाहती है। हाल ही में कर्नाटक में भी एक भव्य राम-मंदिर बनाया गया है, गृहमंत्री उसका भी लोकार्पण करने जाने वाले हैं। यह सब इस बात का निश्चित संकेत है कि भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व के मुद्दे का चुनावी-लाभ उठाने जा रही है। एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम के बीच दरारें बढ़ेंगी, दीवारें उठेंगी। यह स्थिति देश के लिए किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है, पर राजनीतिक लाभ उठाने की लड़ाई में कब कुछ अनुचित माना गया है?आम चुनाव अभी कुछ दूर हैं, पर नौ राज्यों में चुनाव बहुत दूर नहीं हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि महंगाई और बेरोज़गारी जैसे ज़मीनी हकीकत वाले मुद्दों का मुकाबला भाजपा कैसे करेगी। देश में बेरोज़गार युवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। आंकड़ों से भले ही कुछ भी समझाने की कोशिश की जा रही हो, पर भूख का तर्क सबसे मज़बूत होता है। अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन देने की योजना को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है।भाजपा के छोटे-बड़े कई नेता इस आशय के बयान दे रहे थे कि किस भारत को जोड़ने की बात राहुल गांधी कह रहे हैं, भारत को जोड़ना ही है तो उन्हें अफगानिस्तान में जाकर यह यात्रा करनी चाहिए! उनके कहने का मतलब साफ था कि भारत तो अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैला था, इन देशों को भारत में जोड़ने की बात राहुल गांधी को करनी चाहिए। इन 'रेवड़ियों' का लाभ भाजपा को मिल सकता है, पर यह सवाल तो पूछा ही जायेगा कि वे कैसी नीतियां हैं जिनके चलते देश की आधी से ज़्यादा आबादी को मुफ्त अनाज देने की ज़रूरत खत्म ही नहीं हो रही? इस आबादी को समुचित रोज़गार क्यों नहीं मिल पा रहे? इस तरह रेवड़ियां बांटने का चुनावी लाभ भाजपा को भले ही मिल जाये, पर यह स्थिति डरावनी है। बेरोज़गारी रोज़गार उपलब्ध कराने से ही दूर होगी, अन्यथा आज नहीं तो कल, स्थिति विस्फोटक बन सकती है।महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति सुधरती नहीं दिख रही। आये दिन चीज़ों के भाव बढ़ रहे हैं। जीवनावश्यक वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से लगातार दूर सरक रही हैं? महंगाई और बेरोज़गारी के ये दोनों मुद्दे किसी भी सरकार के लिए खतरे घंटी हो सकते हैं। भाजपा को सोचना होगा, कब तक इन मुद्दों की अनदेखी की जा सकती है? इनके समाधान की दिशा में एक त्वरित ठोस कार्रवाई की ज़रूरत है। यह सही है कि नफरत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान का नारा भी बेरोज़गारी या महंगाई के सवाल का जवाब नहीं है, पर सत्तारूढ़ दल को यह समझना भी ज़रूरी है कि देश की जनता पर इन बातों का भी प्रभाव पड़ता है। इस सबका कितना राजनीतिक असर पड़ेगा यह तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि देश की जनता को अब राहुल 'बाबा' नहीं लग रहे और 'पप्पू' भी नहीं। भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की टी-शर्ट पहनी छवि को उभारा है।

राजनीतिक सम्मान बचाने खुद उतर रहें सेक्युलर दल ..!

क्या उत्तर प्रदेश से बहुजन समाज पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा क्युकी सूत्रों के अनुसार मायावती के निकटतम सहयोगी और पार्टी के मजबूत स्तंभ सतीश चन्द्र मिश्र कांग्रेस का दामन थामने वाले है , क्या समाजवादी पार्टी अब सिमट कर यादव समाज पार्टी बन जायेगी क्युकी दिवंगत नेता जी गोलोकवासी हो गए और उनका कोई योग्य उत्तराधिकारी नही दिख रहा प्रदेश के जनता को , आजम खां का अखिलेश यादव के प्रति नाराजगी और मुश्लिम वोट बैंक में ओवेशी और कांग्रेस की सेंधमारी भारी पड़ रही समाजवादी पार्टी पर ,क्या बीजेपी से डरी कांग्रेस ने खुद हिंदुत्व का दामन थाम लिया है? क्या उसने अपनी धर्मनिरपेक्षता को कूड़ेदान में डाल दिया है? ऐसे सवाल पिछले कुछ वर्षों से लगातार उठ रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि भारत में मुख्यधारा की राजनीति धर्म–संस्कृति से दूरी बनाकर चलने की आदी कभी नहीं रही। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद कुछ समय तक उसके नेताओं ने पश्चिमी ढंग की राजनीतिक शब्दावली जरूर इस्तेमाल की, लेकिन फिर जल्द ही उन पर देश के पश्चिमी और पूर्वी छोरों से उठे धार्मिक–सांस्कृतिक आंदोलनों का प्रभाव दिखाई पड़ने लगा। गुजरात से उभरे स्वामी दयानंद सरस्वती (1824–1883) के आर्य समाज आंदोलन का असर हिंदू महासभा के साथ–साथ कांग्रेस के गरमदली नेताओं पर भी था। वी डी सावरकर, मैडम कामा, मदनलाल धींगड़ा और राम प्रसाद बिस्मिल से लेकर लाला लाजपत राय तक इससे प्रभावित थे। सावरकर ने अपनी किताब 'हिंदुत्व –हू इज हिंदू?' में धर्म की इस समझ को राजनीतिक शक्ल दी। लेकिन ज्यादातर बड़े नेताओं के लिए राजनीति का मुख्य मंच कांग्रेस ही रही, हिंदुत्व उनकी राजनीतिक विचारधारा नहीं बन पाया। इसके विपरीत देश के पूर्वी छोर बंगाल से उभरी विवेकानंद (1863–1902) की आध्यात्मिक विचारधारा ने देश के राजनीतिक–अराजनीतिक, हर तरह के मिजाज को प्रभावित किया, साथ ही पश्चिमी दुनिया पर भी इसने उतना ही गहरा असर डाला। विवेकानंद की विचार यात्रा राजा राममोहन राय (1772–1833) द्वारा स्थापित ब्रह्म समाज की एक शाखा से जुड़कर शुरू हुई थी। लेकिन 1920 का दशक बीतने के साथ भारतीय राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला और पहली बार देश में बड़े पैमाने का सांप्रदायिक विभाजन देखने को मिला। ऐसे में धार्मिक प्रतीकों का जोर बढ़ा और दार्शनिक हिंदू धर्म का प्रभाव पहली बार राजनीतिक कार्यकर्ताओं में कम होता दिखा। इस मोड़ पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1888–1975) की प्रस्थापनाओं ने कांग्रेस के नेताओं को काफी मदद पहुंचाई। दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद, दोनों से प्रभावित लेकिन सनातन परंपराओं में रचे–बसे डॉ. राधाकृष्णन स्वतंत्रता आंदोलन के अंत तक अराजनीतिक बने रहे। उनकी एक अंतरराष्ट्रीय अकेडमिक पहचान थी और पूरी दुनिया में उन्हें हिंदू धर्म पर अपने समय की सबसे बड़ी अथॉरिटी माना जाता था। डॉ. राधाकृष्णन ने हिंदू धर्म को आध्यात्मिक समझ की एक विराट पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें बिना किसी टकराव के हर तरह की आस्था के लिए जगह मौजूद है। परम तत्व को पूजने वाले, व्यक्तिगत ईश्वर के उपासक, अवतारों में विश्वास रखने वाले, देवी–देवताओं के आराधक, यहां तक कि पूर्वजों और भूत–प्रेतों में आस्था रखने वाले भी इस धर्म में एक हद तक सम्मान के पात्र हैं। स्वाधीन भारत के कांग्रेस नेतृत्व ने धर्म–दर्शन के मामले में डॉ. राधाकृष्णन की सोच का अनुसरण किया, और आज भी अगर वह राजनीति की कोरी पश्चिमी शब्दावली छोड़कर इस रास्ते पर लौटता है तो इसे उसका अपनी जड़ों से जुड़ना ही कहा जायेगा ।संवैधानिक संस्था सुप्रीमकोर्ट को न्याय का मंदिर कहा जाता है, लेकिन अब इस न्याय के मंदिर पर लोगों की उंगलियां भी उठने लगी हैं। उधर राजनीति में सुप्रीमकोर्ट के ऐसे कई फैसले हैं, जिन से कोई एक तबका अगर खुश हुआ होगा, तो दूसरे कई तबके नाराज भी हुए हैं ।हालांकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करता चाहता हैं, लेकिन यहां काबिलेगौर है कि सुप्रीमकोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) यानि गरीब सवर्ण तबका के आरक्षण को बरकरार रखने का फैसला देते हुए आरक्षण के मामले में 50 फीसदी की सीमारेखा को पार कर दिया है। सुप्रीमकोर्ट ने इस फैसले से 1993 के अपने ही उस फैसले को पलट दिया है, जिस में सुप्रीमकोर्ट के 9 जजों की पीठ ने 27 फीसदी पिछड़े वर्ग, 15 फीसदी दलित वर्ग और 7.5 फीसदी अतिदलित वर्ग के कुल योग 49.5 फीसदी आरक्षण से आगे बढ़ाने को मना कर दिया था। अब सवर्ण गरीबों के 10 फीसदी आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट से भी हरी झंडी मिलने के बाद आरक्षण 50 फीसदी की सीमारेखा को लांघ कर 59.5 फीसदी पर पहुंच गया है ऐसे में हक मारा गया उन लोगो का जिनके पास प्रतिभा के बाद भी दंश झेलना लिखा है ।

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

हकीकत यह है कि भारत में मुख्यधारा की राजनीति धर्म-संस्कृति से दूरी बनाकर चलने की आदी कभी नहीं रही। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद कुछ समय तक उसके नेताओं ने पश्चिमी ढंग की राजनीतिक शब्दावली जरूर इस्तेमाल की, लेकिन फिर जल्द ही उन पर देश के पश्चिमी और पूर्वी छोरों से उठे धार्मिक-सांस्कृतिक आंदोलनों का प्रभाव दिखाई पड़ने लगा।

म्यूजिक वीडियो रांझणा जारी

सिंगर आशिका कुंदनानी का पहला म्युज़िक वीडियो रांझणा मुम्बई के लव एंड लत्ते प्रेक्षागृह में भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर शानदार केक काटकर सिंगर और ?क्ट्रेस आशिका कुंदनानी का बर्थडे भी मनाया गया। इस मौके पर गाने की संगीतकार ऋतु जौहरी, गीतकार ऋचा जौहरी, निर्माता रवि कुंदनानी, जीतू शंकर (जीबीएन एंटरटेनमेंट) और वीडियो डायरेक्टर सुमित रंजन उपस्थित रहे। यहां कई सेलेब्रिटी गेस्ट्स भी उपस्थित थे, जिनमे संगीतकार समीर सेन, संगीतकार निखिल कामत, कॉमेडियन वीआईपी, सिंगर दिव्य कुमार के नाम उल्लेखनीय हैं। ऋतु प्रभा प्रोडक्शन और जीतू शंकर (जीबीएन एंटरटेनमेंट) की नवीनतम प्रस्तुति म्यूजिक वीडियो रांझणा के निर्देशक सुमित रंजन हैं।
बकौल आशिका कुंदनानी यह गीत एक ऐसी लड़की के बारे में है जो अपने पिया की तलाश में निकली है, यह एक सूफी सॉन्ग है जिसमें इमोशंस और दर्द भी है। रांझणा गीत काफी बेहतरीन है, जिसमें मेरा किरदार और लुक बहुत अलग है। बचपन से ही मुझे गायकी का शौक रहा है, इसकी बाकायदा तालीम हासिल की है। यह गीत करना मेरे लिए इसलिए चुनौतियों भरा रहा कि इसमे गायकी के साथ मुझे अभिनय भी करना था। मैं निर्देशक सुमित रंजन की आभारी हूं कि उन्होंने मुझसे यह काम बेहतरीन ढंग से करवा लिया। स्क्रीन पर खुद को देखती हूं तो खुशी होती है। यह गाना जैसलमेर (राजस्थान) के रेगिस्तान में फिल्माया गया है।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

जंग जारी है पुस्तक सप्रेम भेंट की

आज दिनांक 15 जनवरी 2023 को कमल राठौर साहिल ने मोहम्मद शब्बीर नागौरी अंजुमन अध्यक्ष ववफ़ इंतजामिया कमेटी शिवपुर से उनके प्रतिष्ठान पर सप्रेम भेंट कर अपनी पहली बुक जंग जारी है। सप्रेम भेंट की ।विदित हो की कमल राठौर साहिल की पहली बुक जंग जारी है। इंकलाब पब्लिकेशन महाराष्ट्र से प्रकाशित होकर उनको प्राप्त हो गई है। साहिल जी ने अपनी बुक जंग जारी है ....मोहम्मद शब्बीर नागौरी जी को सप्रेम भेंट की , कमल राठौर साहिल शिवपुर मध्य प्रदेश के निवासी हैं। उनकी रचनाएं देश विदेशों में प्रतिदिन अखबारों और पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है। इनके अभी तक बाईस सांझा काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। और इनको कई राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनकी बुक जंग जारी है ...ऑनलाइन भी अमेजॉन , फ्लिपकार्ट , गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है सभी सम्मानीय साहित्य प्रेमी ऑनलाइन पुस्तक मंगा कर आसानी से इसको पढ़ सकते हैं।

राजीव डोगरा को बृज गौरव अवार्ड 2023 तथा विवेकानंद राष्ट्रीय स्मृति सम्मान 2023 मिला

कांगड़ा। विश्व गंगा वाहिनी एवं शोध संस्थान,आगरा द्वारा मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर कांगड़ा हिमाचल प्रदेश के भाषा अध्यापक एवं युवा कवि लेखक राजीव डोगरा को साहित्य,शिक्षा तथा शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए संस्थान द्वारा बृज गौरव अवार्ड 2023 देकर सम्मानित किया गया।साथ ही विवेकानंद जयंती के शुभ अवसर पर युवा संगम संस्थान द्वारा राजीव को कविताओं तथा लेखों के माध्यम से युवा पीढ़ी में जनचेतना का संचार करने के लिए विवेकानंद राष्ट्रीय स्मृति सम्मान 2023 भी दिया गया। गौरतलब है कि राजीव की कविताएं सिर्फ हिमाचल में ही नहीं साथ में लगते राज्य जम्मू-कश्मीर,पंजाब, चंडीगढ़,हरियाणा,नई दिल्ली, कोलकाता, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश राजस्थान इत्यादि जैसे राज्यों में प्रकाशित होने वाले समाचार पत्रों में भी प्रकाशित होती है।और देश के बाहर अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी इनकी कविताएं प्रकाशित हो रही है।सम्मानित होने पर राजीव के माता-पिता हंसराज और सरोज कुमारी तथा उनके स्कूल के प्रधानाचार्य नीरज गर्ग (गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल गाहलियां) ने अत्यंत खुशी व्यक्त की।

कर्तव्यपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2023 में शास्त्रीय नृत्य कला का प्रदर्शन होगा

गणतंत्र दिवस परेड 2023 में कर्तव्यपथ पर प्रदर्शन करने के लिए देश भर से 5000 से अधिक नर्तकियों में से पुणे में मनीषा साठे द्वारा संचालित मनीषा नृत्यालय (कथक), अमृता परांजपे की अभिव्यक्ति स्कूल और तेजस्विनी साठे की नृत्य संस्था तंज द्वारा प्रशिक्षित कलाकारों को चुना गया है। राजपथ का नाम परिवर्तन किए जाने के बाद यह पहली गणतंत्र दिवस परेड होगी, जिसमे भाग लेने वाले ये 3 समूह, पुणे के पहले नर्तक समूह होंगे जिन्हें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में कर्तव्यपथ पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। पुणे (महाराष्ट्र) में क्रियाशील ये समूहों ने यहां तक पहुंचने के लिए कई राउंड क्लियर किए। पूरे भारत में एक वीडियो राउंड, मुंबई राउंड, 7 जोनल राउंड आयोजित किए गए, जिनमें से उन्हें नागपुर में आयोजित एक और फिर दिल्ली में आयोजित ग्रैंड फिनाले से चुना गया। पुणे के डांसरों को कर्तव्यपथ पर कुछ मिनटों के लिए, उच्च सम्मानित प्रतिनिधियों के सामने अपने शास्त्रीय नृत्य कला को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त होगा।

प्रस्तुतिःकाली दास पाण्डेय

पूर्व विधायक और जिला मंत्री समेत अनेक लोगों ने शिक्षक एवं पत्रकार के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की ..!

जौनपुर ब्यूरो ! जौनपुर के केराकत थाना अंतर्गत ग्रामसभा थानागद्दी के पुरवा देवनाथपुर निवासी हिंदी दैनिक राष्ट्रीय त्याग के सह संपादक और ब्रह्म राष्ट्र एकं के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार मिश्रा के पूज्य दादा जी पंडित राधेश्याम मिश्र के निधन की सूचना पाकर , पूर्व विधायक केराकत दिनेश चौधरी , जिला मंत्री भाजपा श्यामदत्त द्विवेदी , भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीप्रकाश पांडेय , भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुरेंद्र पाठक सहित तमाम भाजपाई कार्यकर्ता उनके पैतृक आवास देवनाथपुर पहुंचकर मृतक के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। ज्ञात हो की विगत सोमवार 9 जनवरी को क्षेत्र के भाजपा मंडल संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ पंकज कुमार मिश्रा के 78 वर्षीय दादा जी का निधन हो गया जिसकी खबर लगते ही स्थानीय जनसेवकों , मीडिया सहयोगियों , और क्षेत्रजनों ने श्री मिश्र के आवास पर पहुंचकर उनके गोलोकवासी दादा जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।उक्त अवसर पर आरडी चौधरी, गौतम मिश्र गोलू, केराकत पत्रकार संघ अध्यक्ष अमित सिंह , अशोक सिंह, दिनेश पांडेय दिन्नु सहित अनेक संभ्रांतजन उपस्थित रहें।

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।
दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

लुटेरों ने बुजुर्ग दंपति की हत्या कर नकदी और ज्वैलरी लूटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर के ककवन थाना क्षेत्र में डबल मर्डर और लूट की घटना सामने आई है। यहां गुरुवार देर रात बदमाशों ने एक निजी बिजली कर्मी के घर को निशाना बनाया। वहीं, घर के बुजुर्ग दंपती की हत्या कर नकदी और ज्वेलरी आदि सामान लूट ले गए। सूचना पर पहंची पुलिस ने घटना की छानबीन और पुलिस टीम बना कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, फत्तेपुर गांव निवासी निजी बिजली कर्मी राजकुमार के वृद्ध पिता छम्मीलाल, मां इमरती, उसकी पत्नी और बच्चे घर पर सोए हुए थे। वहीं, राजकुमार गांव के बाहर बने दूसरे घर में सोया हुआ था। देर रात छत के रास्ते से डकैत घर में घूस आए।उन्होंने जेवर और नकदी का पता लगाने के लिए बिजली कर्मी के माता-पिता की गला रेत कर बेरहमी से हत्या कर दी। वहीं, उसकी पत्नी और बच्चों को बांध कर डालने के बाद घर में रखा नकदी और जेवर लेकर फरार हो गए। घटना के बाद किसी तरह बंधनों से मुक्त होकर बिजली कर्मी की पत्नी ने घटना की सूचना दी। ग्रामीणों ने घटना की सूचना राजकुमार और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची ककवन पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल पड़ताल शुरू की है। वहीं डकैती के साथ डबल मर्डर से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर बिल्हौर एसीपी अलोक सिंह सहित सर्किल का पूरा फोर्स भी मौके पर पहुंच है। वहीं घटना के तुंरत बाद ही डीसीपी विजय ढुल भी पहुंच गए। बता दें कि बीते कुछ दिनों पहले ही डीजीपी की ओर से बावरिया गैंग की सक्रियता के चलते अलर्ट जारी किया था। आशंका जताई जा रही है कि यह उसी गैंग का काम है। मामले के खुलासे के लिए पुलिस की टीमों को लगा दिया गया है।

चोरों की पुलिस को खुली चुनौती, मंदिर में 17 मिनट में 20 लाख की चोरी

- दीवार फांद कर घुसे चोरो ने गर्भगृह का ताला तोड़ उडाए 20 लाख के आभूषण
- भारी पुलिस बल और फारेसिंग मौके पर, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंधना बिठूर रोड सांई मन्दिर के ठीक सटा हुआ मां बांग्ला पीतांबरा देवी मन्दिर में देर रात धारदार हथियारो से लैस तीन चोरो ने मन्दिर के पीछे की दीवार फांद कर अंदर पहुंचे और जाली को तोड़कर मुख्य द्वार का ताला तोड और मंदिर के अंदर गृभगृह सहित आलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे लाखो के जेवरात चोरी चोरी कर ले उडे। सुबह जब पुजारी मंदिर का दरवाजा खोलने के लिए पहुंचे तो देखा कि अलमारी का ताला टूटा पडा हुआ है और सारा सामान गायब है। पुजारी ने इसकी सूचना मेनेजर को दी। मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंदिर परिसर की छानबीन की और आस पास पूछतांछ की। हांलकि चोरी की सारी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी मे कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधाार पर चोरो की तालाश में जुट गई है।

मंदिर के मुख्य ट्रस्टी पं0 सुनील शिव मंगल पाण्डेय ने बताया कि देर रात करीब 2:23 बजे तीन चोर जो कि धारदार हथ्यिार से लैस थे।

वह तीनो मंदिर के पीछे की की दीवार फांद कर अन्दर पहुंचे जहां उन्होंने मंदिर में लगी जाली को काटा और मुख्य द्वार तोड कर गर्भगृह में पहुंच गए जहां उन्होंने गर्भगृह में रखी अलमारी का ताला तोड कर अलमारी में रखे लगभग

20 लाख के जेवरात को चोर ले उडे। सुबह 5 बजे जब मंदिर के पुजारी मंदिर खोलने के लिए पहुंचे तो देखा कि मुख्य द्वार का ताला टूटा पडा हुआ है और गर्भगृह में रखे जेवराज जिनमें सोने का मंगलसूत्र, सोने का हार, चांदी की पदुकाएं, चांदी का लोटा, थाली, पात्र समेत लाखो के जेवराज चोर चोरी कर फरार हो गए,लेकिन उनकी सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। मंदिर का सारा हाल देख कर पुजारी के पैरो तले जमीन खिसक गई। पुजारी ने इसकी सूचना मैनेजर और मुख्य ट्रस्टी को दी। मन्दिर में चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही नगर पंचायात अध्यक्ष डा0 निर्मला सिंह, एसीपी कल्याणपुर, थाना प्रभारी बिठूर, फोरेंसिक टीम व डांग स्कावड सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने आस पस छानबीन की और सीसीटीवी को अपने कब्जे में लेकर फुटेज देखी। पीडित मंदिर के ट्रस्टी पं0 सुनील शिव मंगल पाण्डेय ने बिठूर पुलिस को तीन अज्ञात चोरो के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर फुटेज के आधार पर टीम को आरोपियों की तलाश में लगा दिया है।

धर्मांतरण मामले में पास्टर को पुलिस ने भेजा जेल, कई नाम आए सामने

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। नगर में पुलिस ने चर्च में छापा मारा था तो पुलिस को चर्च से स्टडी मैटेरियल अन्य दस्तावेज हाथ लगे है। पुलिस ने चर्च के पास्टर से पूछताछ कर जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने पांच बिंदुओ पर मामले की जांच शुरू की है। एसीपी ने बैंको को लेटर लिखकर खाता संबंधित जानकारी मांगी है। हालाकि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पांच बिंदुओं पर शुरू की पुलिस ने जांच

- कहां से जुड़े है पास्टरो के तार
- विदेश में कहां कहां से हो रही फंडिग
- पास्टर के संपर्क में कितने एजेंट
- किन किन खातों में आया है, विदेश से पैसा
- क्षेत्र में कितने लोग अब तक हुए प्रभावित

घाटमपुर जवाहर नगर मोहल्ला स्थित चर्च पर पुलिस ने गुरुवार को छापा मारा था, यहां से पुलिस के हाथ स्कूल के सर्टिफिकेट समेत अन्य दस्तावेज लगे थे, पुलिस ने चर्च के पास्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की थी, पुलिस की पूछताछ में राहा गांव निवासी पास्टर अनिल मसीह ने बताया कि उसे हर महीने दस हजार रुपए नगद मिलते थे, उसने बताया कि यहां पर आने वाले लोगों को अपने साथ और लोगों को लाने के लिए कहा जाता है। हर व्यक्ति अलगअलग टारगेट दिया जाता था। जिसकी मंथली रिपोर्ट तैयार कि जाती थी, जिसे दक्षिण स्थित मुख्यालय ने भेज दिया जाता था, पुलिस को यहां

से कई दस्तावेज मिले है, जिसमे विदेश से फंडिग की बात भी सामने आई है। पुलिस ने पूछताछ कर पहले से घाटमपुर थाने में दर्ज मुकदमे में पास्टर अनिल को शामिल कर जेल भेज दिया है। - एसीपी ने बैंको को लिखा लेटर, मांगी खाते संबंधित जानकारीघाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि पास्टर अनिल मसीह के पास से मिले दस्तावेजों में फंडिग की बात सामने आई थी, जिसके चलते घाटमपुर नगर स्थित सभी बैंकों को लेटर लिखकर उनके बैंक के चल रहे खाते धारकों के खाते में विदेश से पैसे आने से संबंधित जानकारी मांगी गई है। बताया की पुलिस गंभीरता से मामले की जांच कर रही है। धर्मांतरण के मामले मे कई नाम प्रकाश ने आए है। जिन्हे विवेचना के दौरान मुकदमे ने शामिल किया जा रहा है।

रिटायर्ड डिप्टी एसपी के बेटे ने लगाई फांसी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में रिटायर्ड डिप्टी एसपी के बेटे ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक ने दो साल पहले लव मैरिज की थी। पिछले कुछ समय से उसका पत्नी से आए दिन झगड़ा होता था। गुरुवार रात को भी उसका फोन पर पत्नी से झगड़ा हुआ। इससे वह बहुत टेंशन में था। गुरुवार देर रात जब परिवार वाले कमरे में पहुंचे तो युवक का शव फांसी पर लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही युवक के घरवालों और उसके ससुराल वालों से पूछताछ की जा रही है।मामला चकेरी थाना क्षेत्र के गांधी ग्राम का है। यहां पर रिटायर डिप्टी एसपी अनिल सिंह परिवार के साथ रहते हैं। डिप्टी एसपी के 36 साल के बेटे अमित सिंह ने दो साल पहले इलाके की ही रहने वाली मेधा से लव मैरिज की थी। मेधा नोएडा की एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती है। जबकि अमित सिंह घर पर ही रहता था। इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा होता था।

कृषि उत्पादन तकनीकों, प्रदर्शनों के क्रियान्वयन हेतु होगा निवेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए तथा कृषि मत्स्य एवं वन मंत्रालय जापान के मध्य कृषि,कृषि शिक्षा एवं शोध विभाग उत्तर प्रदेश के साथ अनुबंध प्रपत्र पर 26 अक्टूबर को हस्ताक्षर हुए थे। जिसमें जापानी तकनीकों पर आधारित विभिन्न मॉडल को सीएसए के प्रक्षेत्रों पर प्रदर्शन एवं मूल्यांकन किया जाएगा।कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 5 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने में सहयोग भी किया जाएगा। जिससे जापानी तकनीकी का परीक्षण किया जा सके। इसके साथ ही प्रदर्शनों के मूल्यांकन अनुश्रवण के लिए स्थानीय कृषकों, कृषक उत्पादक संगठनों एवं स्थानीय विभिन्न कंपनियों को भी सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है। जापानी मंत्रालय द्वारा जापानी कंपनियों को आमंत्रित करना उनके द्वारा तकनीकों का प्रदर्शनो में आने वाले व्यय भार जापानी विकास द्वारा किया जाएगा।इस परियोजना को विश्वविद्यालय की तरफ से गतिशीलता देने में कुलपति डॉक्टर डी आर सिंह द्वारा लगातार नेतृत्व एवं दिशा निर्देशन प्रदान किए जा रहे हैं। जिसका मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के लिए उपयोगी जापानी कृषि तकनीक उत्पादन एवं यंत्रों आदि का कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के वैज्ञानिकों के सहयोग से प्रदर्शन कर कृषकों को लाभान्वित करना है।इस तकनीकी आधारित मॉडल को उत्तर प्रदेश के किसानों की फसल उत्पादन का प्रसंस्करण आदि तकनीकी का प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए उपयुक्त तकनीकी विकास एवं प्रसार करना है। निदेशक शोध डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि आगामी 20 जनवरी को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ जापानी प्रतिनिधिमंडल इस परियोजना से संबंधित गहन चिंतन एवं विचार विमर्श करेंगे। इस संबंध में कुलपति ने डॉक्टर विजय कुमार यादव को कोआर्डिनेटर तथा निदेशक प्रसार डॉ अरविंद कुमार को फैंसीलेटर एवं डॉ.सीएल मौर्या को जिम्मेदारी निर्वहन हेतु निर्देशित किया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप जापान सरकार द्वारा बड़ी मात्रा में निवेश से प्रदेश के कृषकों को आर्थिक सामाजिक दशा में निर्वाहन हेतु उन्नति होगी।

परमार्थ सेवा समिति ने बांटे सौ गरीबों को कंबल

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। नगर के कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर में परमार्थ सेवा समिति के द्वारा गरीबों को कंबल वितरण किया गया। इस दौरान यहां पर पहुंचे श्री राम गुरु के चेयरमैन मनोज भदौरिया ने गरीबों को कंबल दिए है, कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे है। यह समिति प्रतिवर्ष कंबल वितरण करती है।

घाटमपुर नगर में कानपुर-सागर स्थित हाइवे पर स्थित मां कूष्मांडा देवी शक्ति पीठ मंदिर परिसर में शुक्रवार दोपहर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान यहां पर पहुंचे श्री राम ग्रुप के चेयरमैन मनोज भदौरिया का स्वागत समिति के सदस्यों के द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। जिसके बाद उन्होंने यहां पर आसपास क्षेत्र से आए हुए गरीब असहाय लोगो को सौ कंबल वितरित किए, कंबल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान यहां पर आने वाले लोगों को बताया कि प्रतिवर्ष यहां पर कंबल वितरण किए जाते है। ताकि आप सभी सर्दी से बच सके। इस दौरान यहां पर पंकज पाण्डेय , पुनीत दीक्षित , ओम बाबू गुप्ता, धर्मेंद्र राजावत, गोलू अवस्थी, मनीष शर्मा, शिवम गुप्ता, कुलदीप सिंह, सर्वेश शुक्ला, अम्बर सिंह समेत आदि लोग मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटनाओं पर नर्सिंग छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक कर दिया जागरूकता का संदेश

कानुपर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर रोड सेफ्टी के अभियान के तहत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता यातायात माह अभियान के अंतर्गत हैलट हॉस्पिटल के ओपीडी के बाहर अंडर ट्रेनिंग नर्सिंग स्टूडेंट ने मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक करके दुर्घटनाओं को रोकने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश मार्ग में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग, पीडब्लूडी, शिक्षा विभाग, नगर

निगम, ट्रैफिक विभाग द्वारा सम्सत उ0प्र0 में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को तेजी से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मेडिकल कालेज सम्बंद्ध अस्पताल हैलट के एसआईसी डॉक्टर आर.के. मौर्या के दिशा निर्देशन में अस्पताल की ट्रेनिंग नर्सिंग छात्राओ ने एक नुक्कड नाटक प्रस्तुत कर संदेश दिया। किस प्रकार जब दुर्घटनाओं को दावत देते है और किस तरह सजग रह कर हम दुर्घटनाओं को रोक सकते है।

शरद यादव के निधन पर शोक सभा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी ग्रामीण कार्यालय में महान समाजवादी चिन्तक शरद यादव के निधन पर शोक सभा हुई, सभा की अध्यक्षता ग्रामीण निवर्तमान अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह यादव ने की सभा में वक्ताओं ने शरद के राजनैतिक संघर्ष पर चर्चा की शरद समाजवाद के सपने के लिए उन्होंने अपना सारा राजनीतिक जीवन गरीबों के उद्धार में लगाया सरकार के गलत कार्यों के खिलाफ लड़ने में नहीं हिचकिचाए ऐसे नेता बहुत कम होते है सभा का संचालन निवर्तमान महामंत्री जितेंद्र कटियार ने किया।शोक सभा में बोलते हुए उपाध्यक्ष जीतू ने कहा कि शरद जी का निधन विपक्षी एकता का पुरोधा खोना है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। बैंठक में कैलाश पति केसरवानी एडवोकेट (जीतू) के. के. शुक्ला, सोमेन्द्र शर्मा, प्रदीप यादव, सुरेश यादव, रामप्रकाश तिवारी, मेजर शिव कुमार पाण्डेय, प्रशान्त यादव, पंचानन यादव, नसीम रजा, अमीन बाबा देवा यादव आदि रहे।

हैलट में तीमारदार खींच रहे हैं स्ट्रेचर, नहीं है कोई कर्मचारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवाबगंज के रहने वाले वीरेंद्र को स्ट्रेचर पर ओपीडी से रेडियो डायग्नोसिस विभाग ले जाने में परिजन कई बार लड़खड़ा गए। रोगी को कई बार तेज झटके लगे तो वह असहनीय पीड़ा से कराह उठा। स्ट्रेचर के पहिए टेढ़े हो जाते और आगे बढ़ने से रुक जाता।इससे रोगी की हालत और बिगड़ गई। बता दें कि वीरेंद्र हादसे का शिकार हो गए थे। इससे उनके पेट में गहरी चोट आई थी और पैर टूट गया था। उनकी सर्जरी की गई थी। लेकिन अभी भी उनके पेशाब की थैली लगी हुई है। पेट का घाव भरा नहीं है।शुक्रवार को उन्हें एक्सरा कराने के लिए ओपीडी से रेडियो डायग्नोसिस विभाग जाने के लिए स्ट्रेचर तो मिल गया, लेकिन कोई कर्मचारी उनके साथ नहीं गया। वीरेंद्र की पत्नी रीमा ने बताया कि वह परिजनों के साथ प्लास्टर कटवाने के लिए सुबह 10 बजे आ गई।आधार कार्ड जमा करने पर स्ट्रेचर तो मिल गया था। हम स्ट्रेचर धकेल ही नहीं पा रहे थे। बार-बार पहिया टेढ़ा हो जाता। जोर लगाने पर स्ट्रेचर उठ जाता था। डर लगता कि कहीं रोगी नीचे गिर न जाए। किसी तरह धकेलते हुए पहुंचे तो किसी तरह एक्सरे हुआ।

रोगियों के लिए सारी व्यवस्था है। इस संबंध में पता कराएंगे। संबंधित से जानकारी देने को कहा गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ. आरके मौर्या, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, हैलट

जमीनी विवाद के चलते सगे भाइयों में चटकी लाठियां,दो घायल

भीतरगांव घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र की बिरहर चौकी के असेनिया गांव में जमीनी विवाद के चलते दो भाइयों में जमकर लाठियां चटकी जिसमे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।साढ़ पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर घायलों को मेडिकल हेतु भेजा है।

असेनिया निवासी विनोद शुक्ला पुत्र शालिक राम शुक्ला ने तहरीर देते हुए बताया कि वह गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे गांव असेनिया स्थित अपने खेत देखने अपने बहनोई यतेंद्र कुमार दीक्षित के साथ आया था।कुछ देर बाद भाई प्रमोद शुक्ला चाचा राधेश्याम शुक्ला साले अनमोल अग्निहोत्री के साथ खेत पहुंचे और लाठी डंडों से हमला कर दिया।बीच बचाव करने पहुंचे बहनोई यतेंद्र कुमार के साथ भी जमकर मारपीट की जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।साढ़ थाना पुलिस ने तहरीर के अनुसार आरोपियों के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर घायलों को सीएचसी भीतरगांव भेजा जहां से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया।थानाध्यक्ष साढ़ सच्चिदानंद ने बताया की भाईयो में जमीन को लेकर विवाद है जिसपर दोनो पक्षों में मारपीट हुई थी।एक पक्ष ने तहरीर दी थी जिस पर जांच की जा रही।

म्यूनिसिपल बांड जारी करने की तैयारी : नगर आयुक्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम ने जून में म्यूनिसिपल बांड जारी करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए शासन ने निगम की संपत्तियों, कर्मियों, आय, खर्च का विस्तृत ब्योरा तलब किया है। बांड से एकत्रित होने वाली धनराशि से नगर निगम अपनी जमीनों पर व्यवसायिक निर्माण कराएगा और उन्हें बेचकर आमदनी करेगा।बांड खरीदने वालों को 8.50 प्रतिशत ब्याज सहित मूलधन वापस किया जाएगा। शासन के आदेश पर लखनऊ, गाजियाबाद के बाद स्थानीय नगर निगम ने भी म्यूनिसिपल बांड जारी करने की तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए स्वरूपनगर घंटाघर, बीएम मार्केट परेड सहित नगर निगम की सभी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है।

बांड खरीदने वालों को 8.50 प्रतिशत ब्याज सहित मूलधन वापस किया जाएगा। शासन के आदेश पर लखनऊ, गाजियाबाद के बाद स्थानीय नगर निगम ने भी म्यूनिसिपल बांड जारी करने की तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए स्वरूपनगर घंटाघर, बीएम मार्केट परेड सहित नगर निगम की सभी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है।इसके लिए अधिकारियों की टीम बनाई गई है। निजी एजेंसी को भी लगाने की योजना है। इस बांड के जरिए सरकार की आमदनी में इजाफा होगा। बांड खरीदने वालों से आई रकम से व्यावसायिक निर्माण कराए जाएंगे। इन परियोजनाओं से नगर निगम को आय होगी। उसका 8.5 प्रतिशत ब्याज समेत मूलधन बांड खरीदने वालों को वापस किया जाएगा। बांड जारी करने के लिए नगर निगम पूरा खाका खींचकर शासन को प्रस्ताव भेजेगा। शासन तय करेगा कि बांड की कीमत कितनी होगी? इसे खरीदने के नियम क्या होंगे?

म्युनिसिपल बांड जारी करने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। संपत्तियों सहित अन्य ब्योरा एकत्रित कर शासन को भेजा जाएगा बांड संबंधी सारे निर्णय शासन स्तर से ही होंगे। कोशिश की जा रही है कि मई, जून तक बांड जारी हो जाए।

कानपुर। मकर संक्रांति पर्व पर स्नान और दान का विशेष महत्व है। शनिवार को भोर पहर से ही हजारों की संज़्या में श्रद्धालु गंगा घाटों पर स्नान और पूजन के लिए जुटने लगे।हर साल मकर संक्रांति 14 जनवरी को ही मनाई जाती है। बीते साल से 15 जनवरी को ही ये त्योहार मनाया जाने लगा है। शनिवार भोर पहर से ही सरसैया घाट, अटल घाट, सिद्धनाथ घाट, भगवतदास घाट, मेस्कर घाट, गुप्तार घाट, रानी घाट, पत्थर घाट पर स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं। पुण्य काल में पवित्र नदियों स्नान और दान करना बेहद शुभ माना जाता है। बड़ी संज़्या में श्रद्धालु स्नान के लिए घाटों पर जुटे हुए हैं।आचार्यों के मुताबिक मकर संक्रांति का शुभ मुहूर्त कल प्रातः 6-47 से और शाम 5-40 तक रहेगा।मकर संक्रांति के दिन सूर्य उज़रायण होते हैं और मकर राशि में प्रवेश कर जाते हैं। इसे खिचड़ी के रूप में भी मनाया जाता है। मकर संक्रांति 14 जनवरी शाम 7-58 से शुरू होगी, उदया तिथि के अनुसार 15 जनवरी को ही मकर संक्रांति मनायी जाएगी। मकर संक्रांति का पुण्य काल मुहूर्त सुबह 6-47 से और शाम 5-40 तक रहेगा। महापुण्य काल सुबह 7-16 से 9-04 के बीच है।

सजेती में चोरी का खुलासा, पुलिस ने तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

दो दर्जन मोबाइल फोन समेत एसेसिरिज की बरामद

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के अज्योरी गांव में बीते दिनों हुए चोरी के मामले में पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चोरी की घटना का खुलासा किया है।

पुलिस के हत्थे तीन चोर चढ़े है, जिनके पास से पुलिस ने दो दर्जन मोबाइल फोन, कंप्यूटर, मोबाइल चार्जर समेत एसेसिरिज बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। वही पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। मंडी समिति स्थित सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय में शनिवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि बीते दिनों सजेती थाना क्षेत्र के अज्योरी गांव स्थित एक मोबाइल की दुकान में चोरी हुई थी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी, पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि एक अल्टो कार सवार तीन लोग चोरी के समान के साथ थाना क्षेत्र के बारीपाल रोड पर स्थित बांध तिराहे पर कही जाने की फिराक में खड़े है। जानकारी मिलते ही

सजेती पुलिस ने फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर अल्टो कार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने मोबाइल की दुकान में हुई चोरी के दो दर्जन मोबाइल फोन समेत, चार्जर, इनवेटर, बैट्री समेत एसेसिरिज बरामद की है। पुलिस की पूछताछ में चोरों ने अपनी पहचान उन्नाव जिले के रहने वाले हाल मुकाम गुजैनी निवासी अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ अंशु, उन्नाव जिले के हाल मुकाम खड़ेपुर निवासी राज वर्मा, फतेहगढ़ हाल मुकाम फजलगंज निवासी मो आरिफ के रूप में बताई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है।

– पुट्टी का काम कर करते थे दुकानों की रैकी

घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि वह क्षेत्र में पुट्टी का काम करते थे, जहां पर आते जाते समय वह दुकानों की रैकी किया करते थे, जिसके बाद रात में चोरी की घटना को अंजाम देते थे, तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया गया है।

मंदिर में हुई लाखों की चोरी के बाद घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस कमिश्नर

–पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज,घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें जुटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के मंधना बिठूर रोड स्थित मां बंगला पीतांबरा मंदिर में बीस लाख की हुई चोरी के खुलासे के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई है। वहीं इस मामले में शनिवार दोपहर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। वहीं मंदिर के मुख्य न्यासी डॉ.सुनील शिवमंगल पांडेय की तहरीर पर बिठूर थाने में तीन अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिठूर थाना क्षेत्र के मंधना बिठूर रोड स्थित मां बंगला पीतांबरा मंदिर के ताले तोड़कर नकाबपोश चोरों ने मंदिर के जेवरात और दानपात्र समेत करीब 20 लाख का माल पार कर दिया। शुक्रवार तड़के पुजारी अमर शास्त्री में मंदिर की साफ सफाई के लिए पट खोला तो ग्रिल टूटी देखकर उन्हें घटना की जानकारी हुई। मंदिर में चोरी की सूचना पर बिठूर थाना प्रभारी समेत एसीपी कल्याणपुर फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचा।गुरुवार देर रात मंदिर की ग्रिल और ताले काटकर घुसे नकाबपोश चोरों ने मां बंगला पीतांबरा देवी का सोने का हार, मंगलसूत्र,चांदी का छत्र,चरण पादुका और दो किलो चांदी की आरती वद्दो दान पात्रों समेत करीब 20 लाख का माल पार कर दिया।शुक्रवार तड़के मंदिर के पुजारी अमर शास्त्री ने जब मंदिर की साफ सफाई के लिए पहुंचे तो पट खुला हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था और दानपात्र टूटा हुआ पड़ा था। इस पर उन्होंने मंदिर के अन्य लोगों के साथ ही पुलिस को सूचना दी तो बिठूर थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह एसीपी कल्याणपुर विकास कुमार पांडे के साथ ही फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंचा। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन नकाबपोश चोर कैद हुए हैं। पुलिस कमिश्नर ने डीसीपी पश्चिम,एडीसीपी व एसीपी संग घटनास्थल का निरीक्षण किया। मंदिर के मुख्य न्यासी ने बताया कि,पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले है।

ईंट से सिर कूंचकर युवक की हत्या

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी जी ब्लॉक लंका मैदान गंगागंज क्षेत्र में शनिवार सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। हत्या ईंट से सिर कुचलकर की गई है। घटना की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पनकी थाना क्षेत्र गंगागंज की हैं। घटना देर रात की प्रतीत हो रही है। युवक का शव लंका मैदान गंगागंज में पड़ा मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मृतक पप्पू (26) भाइयों में तीसरे नंबर का था। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। पनकी एसीपी निशांक शर्मा भारी फोर्स के साथ घटनास्थल पहुंचे। युवक की हत्या ईंट से सिर कूच कर की गई है। वही स्थानीय लोगों ने नशेबाजी में युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पनकी थाना अध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया ईंट से सिर कुचलकर हत्या

की बात सामने आई है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। संदिग्ध लोगों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं मौके पर फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड ने आकर साक्ष्य एकत्र कर मामले की जांच की जा रही है।

आयुक्त ने निर्वाचन क्षेत्र हेतु करायी दाखिल नाम निर्देशन की स्क्रूटनी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर खण्ड स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र- हेतु दाखिल नाम निर्देशन पत्रों की रिटर्निंग आफीसर/मण्डलायुक्त द्वारा स्क्रूटनी की गयी। स्क्रूटनी में कानपुर खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र- हेतु अरूण पाठक (भारतीय जनता पार्टी), कमलेश यादव (समाजवादी पार्टी), राजेश कुमार अहेरवार (निर्दलीय), प्रवीण कुमार श्रीवास्तव (निर्दलीय), नेहा सिंह (निर्दलीय), संतोष कुमार तिवारी (निर्दलीय), मो0 मसरूफ (निर्दलीय), कमलेश कुमार यादव (निर्दलीय), जया सचान (निर्दलीय), महेश कुमार विश्वकर्मा (निर्दलीय) के नामांकन वैध पाये गये। जबकि महेश चन्द्र शर्मा (निर्दलीय), का नामांकन जमानत धनराशि जमा न करने तथा अनुमन्य प्रस्तावक का नाम न दिये जाने के कारण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 34(ख) व धारा 33(1) के अन्तर्गत नामांकन निरस्त किया गया। इसी प्रकार संतोष कुमार धीवान (निर्दलीय) के नाम निर्देशन पत्र में एक प्रस्तावक सरदार अहसान का हस्ताक्षर न होने के कारण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, धारा 33(1) के अन्तर्गत निरस्त किया गया। कानपुर खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र- हेतु दाखिल नाम निर्देशन पत्रों में वेणु रंजन भदौरिया (भारतीय जनता पार्टी), संजय कुमार मिश्र गुरू (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), प्रियंका यादव (समाजवादी पार्टी) राज बहादुर सिंह चंदेल (निर्दलीय), विनोद कुमार (निर्दलीय), डा0 दिवाकर मिश्र (निर्दलीय), भुवनेश भूषण (निर्दलीय), हरिश्चन्द्र दीक्षित (निर्दलीय),हेमराज सिंह गौर (निर्दलीय) व ओम प्रकाश (निर्दलीय) के नामांकन वैध पाये गये। जबकि शिव वरन सिंह (निर्दलीय) का नामांकन पत्र में उल्लिखित प्रस्तावकों की निर्वाचक नियमावली भाग संख्या का मिलान मूल निर्वाचक नियमावली से न होने के कारण निरस्त किया गया साथ ही शिव वरन सिंह को जानकारी दिये जाने पर स्क्रूटनी के समय न तो वह स्वयं उपस्थित हुए और न ही उनके प्रस्तावक, एजेण्ट व उनके द्वारा नामित कोई अन्य एक व्यक्ति ही उपस्थित हुआ।

जटिल हृदय रोगियो का इलाज कर कार्डियोलॉजी बना शासन का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हृदय रोग संस्थान शासन का %सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी के साथ-साथ हृदय रोगियों को सभी जांच, उपचार और ऑपरेशन की सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थान की स्थापना 1975 में हुई।

संस्थान के निदेशक डॉ विनय कृष्णा ने बताया कि फतेहपुर के रहने वाले 66 वर्षीय व्यक्ति का संस्थान में सफलतापूर्वक उपचार किया गया। रोगी को हृदय घात (एक्यूट एंटीरियर वाल मायोकार्डियल इंफारक्शन) में भर्ती हुये थे। रोगी के फेफड़े में संक्रमण के साथ हृदय गति काफी बढ़ी हुयी एवं अनियन्त्रित थी। फेफड़े के संक्रमण को नियंत्रित करने के उपरान्त दूसरे दिन रोगी एंजियोग्राफी की गयी, जिससे पता चला कि रोगी के हृदय की मुख्य धमनी सौ फीसद बन्द थी। इलाज के तौर पर कैथलैब में धमनी में एक स्टैंट डालकर एंजियोप्लास्टी करके मरीज की जान बचाई गई। 12 जनवरी को कन्नौज के 50 वर्षीय व्यक्ति का एक्यूट कोरोनरी सिन्ड्रोम (एसीएस) के अन्तर्गत कार्डियोजेनिक शॉक और लो आउटपुट हार्ट फेलियर से पीड़ित था। रोगी का ब्लड प्रेशर अत्यन्त कम होने के कारण रोगी की जान बचाने के लिए तत्काल उसकी एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी की गई। एजियोग्राफी में पता चला कि रोगी के हृदय की एक धमनी पूरी तरह से बंद हो गई थी और दूसरी धमनी भी बंद आखिरी स्थिति में थी। इलाज के तौर पर कैथलैब में रोगी के हृदय की धमनियों में दो स्टेंट डाले गए जिसके बाद मरीज की स्वास्थ्य की स्थिति काफी कुछ सामान्य है। वह शीघ्र ठीक होकर घर जा सकेगा। इस प्रकार के उपचार को पानी (प्राइमरी एंजियोप्लास्टी) कहा जाता है जो हार्ट अटैक विद कार्डियोजेनिक शौक और लो आउटपुट हार्ट फेल्योर के कुछ रोगियों में यह जटिल उपचार कभी-कभी जीवन रक्षक सिद्ध होता है। इस मौके पर निदेशक डॉक्टर विनय कृष्णा द्वारा डॉक्टर उमेश्वर पाण्डेय एवं डॉक्टर संतोष कुमार सिन्हा की टीम को बधाई दी।

आयुध निर्माणी में वृहद वृक्षारोपण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मकर संक्रांति के दिन आयुध निर्माणी को पानी की आपूर्ति करने वाली झील के किनारे लगभग सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं सभी यूनियन, एसो. के वरिष्ठ पदाधिकारियों से उनके नाम के साथ लगभग 1000 वृक्षों का रोपण करा कर, पर्यावरण के प्रति अपनी श्रद्धा को प्रकट करते हुए कार्यकारी निर्देशक आरके सागर ने कहा कि प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए समय-समय पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम होते रहने चाहिए ताकि ग्लोबल वार्मिंग जैसी घटनाओं से बचा जा सके। वृक्षारोपण के कार्यक्रम के दौरान आरके सिंह, सीके मंडल, ज्योति त्रिवेदी, (महाप्रबंधक) रवि प्रकाश (संयुक्त महाप्रबंधक) ज्ञानेश्वर कुमार (कार्य प्रबंधक) प्रशासन, विनय अवस्थी, विनोद तिवारी, वेदव्यास त्रिपाठी, पंकज यादव, विनीत सिंह, छुन्ना कश्यप, साबिर अली, धर्मेंद्र सिंह, अनिल प्रधान, अनिलदास, विनोद यादव, शैलेन्द्र पाण्डेय, मनोज यादव, दीपक उपाध्याय, दीना शर्मा, अजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

गोल्डी समूह के सहयोग से स्थापित हुई फंक्शनल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन मशीन

कानपुर। पार्वती बागला रोड स्थित परिहार फिजियोथेरेपी सेंटर में स्लोवेनिया की इस्करा मेडिकल निर्मित अत्याधुनिक फंक्शनल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन मशीन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. एएस प्रसाद ने फीता काटकर किया। ये मशीन गोल्डी मसाले के सहयोग से परिहार फिजियोथेरेपी में स्थापित की गई है। परिहार फिजियोथेरेपी के संस्थापक डॉ. एसडी सिंह परिहार ने बताया कि जो मरीज अपनी नसों व मांसपेशियों की कमजोरी व बीमारी के कारण खुद नहीं चल सकते, उनके लिये ये मशीन वरदान साबित होगी। इस अवसर पर गोल्डी मसाले के प्रबंध निदेशक सुरेन्द्र गुप्ता, बलराम नरूला, रमेश चन्द्रा, जेके लोहिया, गोपाल लोहिया, डॉ. टीपीएस लाम्बा, डॉ. अंकुर गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अभियान में अभियुक्त धरा गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर के कुशल नेतृत्व में दबिश देकर थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0स भादवि व विधि विरूद्ध धर्म समपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनयम से सम्बन्धित अभियुक्तगण महबूब आलम पुत्र बब्बन उम्र करीब 52 वर्ष निवासी ग्राम मनावा थाना ककवन आमिर उर्फ अनवार आलम पुत्र महबूब आलम उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम मनावा थाना कवन को पाण्डु नदी पुल रसूलाबाद बार्डर से गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण को न्यायालय के समक्ष कोर्ट भेजा जायेगा।

श्री राम सेवा समिति ने बुजुर्गो को सम्मानित किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।श्री राम सेवा समिति ने आज गडरिया मोहल मालवीय पार्क में क्षेत्रीय लोगो का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सद्स्य सुरेश अवस्थी का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ कन्यापूजन से हुआ। तत्पश्चात भंडारे एवं गरीबो को कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये !आर्य नगर विधान सभा से भाजपा के पुर्व प्रत्याशी सुरेश अवस्थी ने खा कि वार्ड 76 का समग्र विकास करना है तो यहा भाजपा का पार्षद लाना होगा।उन्होने कहा क्षेत्रीय जनता की समस्याओ के निराकरण के लिये वह प्रत्येक सप्ताह एक बैठक आयोजित करेगे।उन्होने जनता से अपील की वह अपनी समस्याओ को श्रीराम सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बाजपेयी को अवगत कराए जिसे बैठक मे निस्तारण कराया जायेगा।

कानपुर जू में जंगल सफारी की हुई शुरुआत,लोगों ने उठाया लुत्फ

कानपुर। शहर के चिड़ियाघर में जंगल सफारी शनिवार से फिर दर्शकों के लिए खुल गया है। पिछले साल नौ फरवरी को इसका उद्घाटन किया गया था, लेकिन जुलाई में बारिश के दौरान जानवरों का खतरा बताकर दर्शकों के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि इस बार कुछ पाबंदियों के साथ खोला गया है। जंगल सफारी का टिकट 100 रुपए रखा गया है। यहां पर शेर, मगरमच्छ, हिरन समेत कई देशी विदेशी पशु, पक्षी और जानवर देखने को मिलेंगे। जहां तक नजर जाती है हरियाली ही हरियाली दिखाई पड़ती है। नदी और झील यहां की सुन्दरता को बढ़ा रहे हैं। यहां पर तीन वाच टावर बनाए गए हैं। जहां से खड़े होकर यहां का नजारा लिया जा सकता है।

आलू फसल को रोगों से बचाए: डॉ.ए.के.सिंह

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में त्वरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहूँ जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2त्न के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03त्न घोल को कवकनाशी साईमॉक्सीनिल एवं मैनकोज़ेब 0.2त्न के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर सिंह ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।

पूर्व प्रधान ने लगाई परिवार सुरक्षा की मांग

बीपीएस न्यूज-कानपुर । ग्राम रेवना, थाना घाटमपुर निवासी सुरेन्द्र कुमार संखवार पुत्र स्व0 भोलानाथ ने जो इस समय पूर्व प्रधान हैं, को उनके गांव के ही दबंगों और रसूखदारों ने अपनी पुरानी खुन्नस निकालते हुए जानलेवा हमला किया तथा बुरी तरह जातिसूचक गलियों सहित भद्दी-भद्दी गाली गलौज किया ।उपरोक्त घटना 11 जनवरी की दोपहर लगभग 1 बजे की है। उसके बेटे कुलदीप का फोन आया कि जीतू, व अंशुल पुत्र गण सन्तोष चौरसिया बिना किसी कारण दुकान (ज्वैलरी की) आकर गाली गलौज कर रहे हैं और आपको बुलारहे हैं। सुरेंद्र बाज़ार तक पहुंचा ही था कि घात लगाए अवैध असलहों से लैस जीतू व अंशुल ने अपने साथियों सहित बुरी तरह पीटा, ऊपर की जेब में पाँच सौ के 16 नोट (8000/- रू) रखे थे उन्हें भी छीन लिया। इन सभी ने पूरे परिवार को जान से मार देने की धमकी दी है। सुरेंद्र कुमार काफ़ी डरा हुआ है क्योंकि पुलिस इसकी एफआईआर तक दर्ज नहीं कर रही है। सुरेंद्र ने बताया कि इनलोगों पर राजनीतिक सहयोग है। वह मीडिया के माध्यम से अपने परिवार की सुरक्षा चाहता है।

खुशहाली और मिठास का त्यौहार है लोहड़ी

जानें क्या है तारीख और मुहूर्त

खुशहाली और उत्साह का त्यौहार है %लोहड़ी% जो फसल काट कर घर लाये जानें की खुशी में मनाया जाता है। इस त्यौहार से दुल्ला भट्टी की कहानी भी जुड़ी हुई है। लोहड़ी की शाम एक दूसरे के साथ खुशियां बांटने, सद्भावना और भाईचारे का सन्देश देती है। यह दिलों से नफरत को दूर करने का और रिश्तों में मधुरता का प्रतीक है ।नव वर्ष पर का सबसे पहले मनाया जानें वाला पर्व है लोहड़ी, लोहड़ी के त्यौहार पर अग्नि में मूंगफली, तिल, गुड़ और गेहूं अर्पित करके सभी की सलामती, अच्छी सेहत और सुख शांति के लिए प्रार्थना की जाती है। लोहड़ी का त्यौहार बहुत ही उत्साह से मनाया जाता है। कुछ लोग लोहड़ी के त्यौहार की तारीख और मुहूर्त को लेकर कन्फ्यूज हैं। आइये जानते है लोहड़ी का शुभ मुहूर्त और तारीख-

लोहड़ी का शुभ मुहूर्त और तारीख -मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा इसलिए लोहड़ी 14 को होगी। लोहड़ी का शुभ मुहूर्त 14 जनवरी को शाम 8-57 से शुरू होगा।

लोहड़ी शब्द का अर्थ-लोहड़ी तीन अक्षरों से मिलकर बना है, ल का अर्थ है लकड़ी, ओह का अर्थ है उपला और ड़ी का अर्थ रेवड़ी से है। इन तीनों के द्वारा लोहड़ी की अग्नि जलाई जाती है।

लोहड़ी का महत्व-लोहड़ी का त्यौहार फसल की कटाई होने की खुशी में मनाया जाता है। लोहड़ी में अग्नि की सात बार परिक्रमा की जाती है और गुड़, चावल, तिल की तिलचौली आहुति अग्नि देव को समर्पित की जाती है। इसे देवी-देवताओं का भोग कहा जाता है, इस तिलचौली के द्वारा नयी फसल का एक हिस्सा देवताओं तक पहुंच जाता है। इसके बाद सुख-शांति की कामना की जाती है और लोकगीतों का आनंद लिया जाता है। जिस घर में मांगलिक कार्य या बच्चे का जन्म होता है उस घर में लोहड़ी का त्यौहार खास धूमधाम से मनाया जाता है। लोहड़ी मनाने के पीछे एक मान्यता यह भी है कि इस समय से पौष मास की समाप्ति होती है और माघ माह की शुरुआत होती है, यह ठण्ड कम होने का सूचक माना जाता है।

लोहड़ी की कहानी-लोहड़ी के दिन अग्नि की परिक्रमा करने के बाद दुल्ला भट्टी की कहानी सुनी जाती है। कहते हैं मुग़ल शासक अकबर ने दुल्ला भट्टी को पंजाब में रहने के लिए भेज दिया था। उन दिनों पंजाब की औरतों को अमीर मुगलों के हाथों में बेंचा जा रहा था। दुल्ला भट्टी उन लड़कियों को अमीर मुगलों से छुड़ाकर ले आया और उनकी शादी हिन्दुओं से कराई। इसलिए दुल्ला को नायक मानकर लोहड़ी के मौके पर उनसे जुड़ी कहानियां कही और सुनी जाती हैं।

यह दिलों से नफरत को दूर करने का और रिश्तों में मधुरता का प्रतीक है ।नव वर्ष पर का सबसे पहले मनाया जानें वाला पर्व है लोहड़ी, लोहड़ी के त्यौहार पर अग्नि में मूंगफली, तिल, गुड़ और गेहूं अर्पित करके सभी की सलामती, अच्छी सेहत और सुख शांति के लिए प्रार्थना की जाती है।

लोहड़ी के त्योहार का धार्मिक और सामाजिक महत्व विस्तार से जानिए

खुशहाली के आगमन का प्रतीक माने जाने वाले लोहड़ी का पर्व पंजाब में खासतौर पर पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया जाता है। लोहड़ी पर्व से जुड़ी एक बड़ी बात यह भी है कि मूल रूप से सिखों के इस त्योहार के दिन का निर्धारण हिंदू पंचांग/कैलेण्डर से होता है।

लोहड़ी पर झूम उठते हैं किसान

हर साल के जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में मनाया जाने वाला यह पर्व किसानों के लिए विशेष रूप से उत्साह लेकर आता है क्योंकि इस पर्व तक उनकी वह फसल पक कर तैयार हो चुकी होती है जिसको उन्होंने अपनी अथक मेहनत से बोया और सींचा था। इस दिन जब लोहड़ी जलाई जाती है तो उसकी पूजा गेहूं की नयी फसल की बालों से ही की जाती है। जाति बंधनों से मुक्त होकर यह पर्व समूचे उत्तर भारत खासकर पंजाब और हरियाणा में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। राजधानी दिल्ली में भी इस पर्व की धूम खूब रहती है। मकर संक्रांति से एक दिन पहले पड़ने वाले इस पर्व पर लोग मस्ती में रहते हैं तथा नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

इस बार लोहड़ी पर्व की वैसी छटा नहीं

पंजाब में तो इस पर्व पर अलाव जलाकर भांगड़ा नृत्य किया जाता है और मूंगफली, रेवड़ी तथा गजक का प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन पंजाबी गायकों की काफी मांग रहती है और विभिन्न इलाकों में वह अपनी गायकी से लोगों को झूमने पर मजबूर कर देते हैं। हालांकि इस बार कोरोना संक्रमण के चलते लगे तमाम प्रतिबंधों की वजह से सामूहिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा रहे हैं। लोग इस बार अपने परिवार के साथ ही लोहड़ी पर्व मना रहे हैं।

लोहड़ी से जुड़ा धार्मिक महत्व

देखा जाये तो दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां इस पर्व को मस्ती भरे अंदाज में मनाया जाता है वहीं पंजाब में इस पर्व का धार्मिक महत्व भी होता है। इस दिन सुबह से ही विभिन्न गुरुद्वारों में श्रद्धालु एकत्रित होना शुरू हो जाते हैं। इसके साथ ही इस दिन अंधेरा होते ही लोहड़ी जलाकर सात चक्कर लगाकर अग्नि पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। आग में तिल डालते हुए, ईश्वर से धनधान्य से भरपूर होने का आशीर्वाद मांगा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिसके घर पर भी खुशियों का मौका आया, चाहे विवाह के रूप में हो या संतान के जन्म के रूप में, लोहड़ी उसके घर जलाई जाएगी और लोग वहीं एकत्र होंगे। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की गजक और रेवड़ियां आपस में बांटकर खुशियां मनाते है।

पारम्परिक रीति-रिवाज

लोहड़ी पर्व से जुड़ी परम्परा के अनुसार, इस दिन पंजाब में बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाकर लोहड़ी मांगती हैं और दुल्ला भट्टी के गीत गाती हैं। इस गीत के पीछे यह मान्यता है कि महराजा अकबर के शासन काल में दुल्ला भट्टी एक लुटेरा था लेकिन वह हिंदू लड़कियों को गुलाम के तौर पर बेचे जाने का विरोधी था। उन्हें बचा कर वह उनकी हिंदू लड़कों से शादी करा देता था। गीतों में उसके प्रति आभार व्यक्त किया जाता है।

लोहड़ी से जुड़ी बड़ी बात

पंजाब में नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इस दिन रेवड़ी और मूंगफली वितरण के साथ ही मक्के की रोटी और सरसों के साग का भोज भी आयोजित किया जाता है। पंजाब के गांवों में तो इस दिन इस तरह के दृश्य आम होते हैं कि परम्परागत वेशभूषा पहले सिख पुरुष और स्त्रियां ढोल की थाप पर लोकप्रिय भांगड़ा नृत्य कर खुशियां मनाते हैं। बच्चों को भी उनका साथ देते देखा जा सकता है। स्त्रियां तो इस अवसर पर अपनी हथेलियों और पांवों पर आकर्षित करने वाली आकृतियों वाली मेहंदी भी रचाती हैं।

वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे पौधों के बारें में बताया गया है जो घर की आर्थिक उन्नति में सहायक है। इन पौधों को घर में लगाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है। अगर आप अकारण ही मानसिक रूप से परेशान रहते हैं घर में बिना वजह के लड़ाई- झगड़े होते हैं तो यह पौधे आपकी इन परेशानियों को दूर कर देंगे। हिन्दू धर्म में घर की खुशहाली और वास्तु दोष को दूर करने के लिए कई उपाय बताये गए हैं। वास्तु के अनुसार कुछ पेड़-पौधें घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इन पौधों को घर में लगाने से आर्थिक उन्नति और खुशहाली का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र में इन पौधों का जिक्र किया गया है। आइये जानते है कुछ ऐसे ही पौधों के विषय में-

लक्ष्मणा का पौधा -लक्ष्मणा का पौधा माता लक्ष्मी को अति प्रिय है, मान्यता है जिस घर में लक्ष्मणा का पौधा होता है वहां लक्ष्मी जी स्थाई रूप से निवास करती हैं। कई जगहों पर इसे गुमा के नाम से भी जाना जाता है। कहते है यह पौधा लगाने से घर में धन का आगमन होता है। आयुर्वेद में इसे लक्ष्मणा बूटी कहा गया है।

शमी का पौधा-शमी का पौधा भगवान शिव को अति प्रिय है, वास्तु में शमी का पौधा घर में लगाना शुभ माना गया है। जिस घर में शमी का पौधा होता है वहां कभी आर्थिक संकट नहीं आता और घर की दरिद्रता दूर होती है। शमी का पौधा घर से नेगेटिव एनर्जी को दूर करता है। इसे धन वृक्ष कहा जाता है।

मोहिनी का पौधा-मोहिनी के पौधे को क्रसुला का पौधा भी कहा जाता है, इसको घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। मोहिनी का पौधा धन के देवता कुबेर को प्रिय है। इसको दक्षिण दिशा में लगाना शुभ नहीं माना जाता है। यह पौधा मेन्टल रिलीफ के लिए भी जाना जाता है, इससे घर में धन का आगमन होता है।

अनार का पौधा -यदि आप माता लक्ष्मी और कुबेर दोनों की कृपा चाहते हैं तो घर के मुख्य द्वार के दाहिनी ओर अनार का पौधा लगाएं। इससे घर में सुख-शांति का वास होगा और घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होगा।

मनी प्लांट -मनी प्लांट देखने में जितना खूबसूरत होता है यह वास्तु के नजरिये से भी उतना ही लाभकारी है। यह घर से नेगेटिव एनर्जी को दूर करके वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने में सहायक है। मान्यता है जिस घर में मनी प्लांट होता है वहां रुपये-पैसों की तंगी नहीं होती है। मनी प्लांट को घर के आग्नेय कोण में लगाना शुभ होता है।

तुलसी का पौधा -हिन्दू धर्म में तुलसी का पौधा सबसे पवित्र माना जाता है। इसे घर के मुख्य द्वार पर लगाने से घर का वातावरण और आस-पास का वातावरण शुद्ध हो जाता है। तुलसी का पौधा घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

सदाबहार का पौधा-अगर घर के सदस्यों में आपसी मन-मुटाव है, पति-पत्नी के बीच झगड़े होते हैं तो घर के मुख्य द्वार पर सदाबहार का पौधा लगाएं। इससे घर से क्लेश और अशांति दूर होगी, नकारात्मक शक्तियों का नाश होगा। यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य स्थापित करने में सहायता करता है।

मकर सक्रांति 2023 पर राशि अनुसार करें दान

इस साल उदयातिथि में 15 जनवरी को मनाई जा रही है। इसी दिन मकर राशि में सूर्य गोचर 2023 होने वाला है। हालांकि मोबाइल पर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं जैसे संदेश अभी से आने लगे हैं। लेकिन आप जानते हैं कि मकर संक्रांति पर दान पुण्य का बड़ा महत्व है। इस दिन अगर आप अपनी राशि के अनुसार दान करते हैं तो धन और सौभाग्य में वृद्धि होती है। **मकर संक्रांति दान पुण्य**

मकर संक्रांति सूर्य उपासना का पर्व है। इस दिन सूर्य धनु से मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उत्तरायण हो जाते हैं। हिंदू धर्म मानने वालों के अनुसार यह दिन पूजा अर्चना के लिए विशेष होता है। इस दिन दान और पुण्य करना चाहिए। इससे धन प्राप्ति के रास्ते खुलते हैं और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। मानसिक समस्याएं खत्म होती हैं और जीवन खुशहाल बनता है।

जानकारों के अनुसार इस दिन हम अपनी राशि के अनुसार दान करें तो दान और भी फलदायी बन जाता है। आइये बताते हैं किस राशि के व्यक्ति को मकर संक्रांति 2023 पर क्या **क्या दान करना चाहिए।**

1. मेष राशि: इस राशि के व्यक्ति या महिला को मकर संक्रांति 2023 पर पवित्र नदी में स्नान के बाद तांबे की वस्तु, दही या तिल गुड़ दान करना चाहिए।
2. वृष राशि: 2023 पर वृष राशि के शख्स को चांदी और तिल का दान करना चाहिए।
3. मिथुन राशि: इस राशि के व्यक्तियों को मकर संक्रांति 2023 पर पीला वस्त्र और गुड़ गरीबों को दान करना चाहिए।
4. कर्क राशि: कर्क राशि के व्यक्ति को इस दिन सफेद ऊन, तिल का दान करना चाहिए।
5. सिंह राशि: इस राशि के व्यक्ति को स्नान पर्व पर गुड़ और गेहूं का दान करना चाहिए।
6. कन्या राशि: इस राशि के व्यक्ति को 2023 पर हरा मूंग और तिल दान करना लाभदायक रहेगा।
7. तुला राशि: मकर संक्रांति पर सूर्य का गोचर 2023 होता है, इसका सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए इस दिन सूर्य की पूजा के साथ गुड़ और सात प्रकार के अनाज का दान फलदायी रहेगा।
8. वृश्चिक राशि: संक्रांति पर्व पर वृश्चिक राशि के जातकों को पूजा अर्चना के बाद लाल वस्त्र और दही का दान करना चाहिए। यह आपके जीवन में सुख सौभाग्य लाएगा।
9. धनु राशि: इस दिन धनु राशि के जातकों को पीला वस्त्र और गुड़ का दान करना चाहिए। इससे आपके जीवन में खुशहाली आएगी।
10. मकर: सूर्य का गोचर मकर राशि में हो रहा है। इससे इस राशि परिवर्तन का मकर राशि के जातकों के जीवन पर भी असर पड़ेगा। इस दिन मकर राशि के व्यक्तियों के लिए कंबल और गुड़ का दान शुभ फलदायी रहेगा।
11. कुंभ राशि: इस राशि के जातक को मकर संक्रांति पर कंबल और घी का दान करना चाहिए।
12. मीन राशि: इस राशि के जातक को मकर संक्रांति के दिन चना दान, तिल दान करना चाहिए। यह आपके लिए अधिक शुभ फलदायी रहेगा।

भगवान इंद्र की पूजा की तैयारियों को देखकर हैरान क्यों थे भगवान श्रीकृष्ण ?

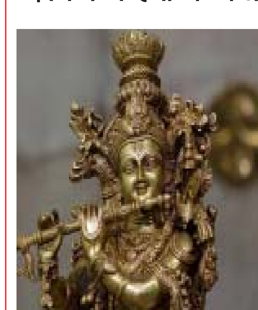

शुकदेव जी कहते हैं परीक्षित ! भगवान कृष्ण वृन्दावन में बलराम जी के साथ रहकर अनेक लीलाएं कर रहे हैं। एक दिन उन्होंने देखा कि सभी नगरवासी भगवान इन्द्र की पूजा की तैयारी कर रहे हैं। घर में विविध प्रकार के पकवान बनाए जा रहे हैं।

भागवत-कथा ज्ञान-गंगा में गोता लगाकर जन्म-मृत्यु के चक्कर से मुक्ति पाएँ और अपने इस मानव जीवन को सफल बनाएँ। मित्रों ! पिछले अंक में हम सबने दावानल, वेणु-गीत और चीर हरण प्रसंग की कथा सुनी।

देखिए ! वास्तव में चीर हरण प्रसंग चीर का हरण नहीं, बल्कि माया का हरण है। उत्कृष्ट प्रेम, प्रेमी और अपने प्रियतम के बीच एक पुष्प का भी पर्दा नहीं रखना चाहता है। भगवान कहते हैं, गोपियों ! माया का पर्दा हटाकर मेरे पास आओ।

बड़ा ही सुंदर संदेश। जीव, जब तक माया का त्याग नहीं करता, तब तक ब्रह्म के साथ उसका एकाकार नहीं हो सकता।

गोपियों ने अपने अपने वस्त्र पहन लिए किन्तु वो एक कदम भी नहीं चल पा रही थी। उनके पैर उनके घर की तरफ नहीं बढ़ रहे थे क्योंकि श्री कृष्ण ने उनके चित्त को अपने वश मे कर लिया था। वे लाज भरी चितवन से कृष्ण को निहारती रहीं। तब भगवान ने कहा- देवियों ! अब तुम अपने अपने घर को लौट जाओ। तुम्हारी साधना और पूजा सफल हुई। अगली शरद ऋतु में तुम लोग मेरे साथ विहार करोगी। वही भगवान ने एक वर्ष के बाद अगली शरद ऋतु में गोपियों के साथ रास रचाया।

ब्रह्म की उस दिव्य लीला का अच्छी तरह से वही आस्वादन कर सकता है जिसने ब्रह्म का साक्षात्कार किया हो और यह अधिकार केवल श्री राधाजी को तथा गोपियों को ही प्राप्त है।

दूसरी बात यह है कि यदि लौकिक धरातल पर विचार किया जाए तो गोपियाँ श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए जो साधना कर रहीं थीं उस साधना में एक दोष था। वे सब शास्त्र मर्यादा और सनातन परंपरा का उल्लंघन कर नग्न स्नान कर रही थीं। जो लोग भगवान के प्रेम के नाम पर विधि-विधान और नियमों का उलंघन करते हैं। उनके लिए यह एक संदेश है। भगवान शास्त्र-विधान का कितना आदर करते हैं, हमें इस चीर हरण कथा प्रसंग से समझना चाहिए। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव समाज के विभिन्न आश्रमों तथा वर्णों के लिए शास्त्रविधि दी गयी है। प्रत्येक व्यक्ति को इन विधि-विधानों का पालन करना चाहिए। यदि कोई इनका पालन न करके काम, क्रोध और लोभवश स्वेच्छा से कार्य करता है, तो उसे जीवन में कभी सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती। दूसरे शब्दों में, भले ही मनुष्य ये सारी बातें सिद्धान्त के रूप में जानता रहे, लेकिन यदि वह इन्हें अपने जीवन में नहीं उतार पाता, तो वह अधम माना जाता है ।नग्न; स्नायात नग्न स्नान शास्त्र विरुद्ध आचरण है। इससे वरुण देवता का अपमान होता है। यदि गोपियाँ नग्न स्नान करना जारी रखतीं तो उनकी साधना सफल नहीं हो पाती। अंतिम बात यह है, कि उन दिनों नग्न स्नान करने की कुप्रथा समाज में प्रचलित थी, उसको नष्ट करने के लिए भगवान ने चीर हरण किया था। महाभारत मे दुःशासन ने द्रौपदी के चीरहरण का प्रयास किया था और कृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी। दुःशासन द्वारा द्रौपदी के चीरहरण का प्रयास और कृष्ण द्वारा गोपियों का चीर हरण, इन दोनों में जमीन आसमान का अंतर है। अस्तु।

गोवर्धन पूजा-शुकदेव जी कहते हैं परीक्षित ! भगवान कृष्ण वृन्दावन में बलराम जी के साथ रहकर अनेक लीलाएं कर रहे हैं। एक दिन उन्होंने देखा कि सभी नगरवासी भगवान इन्द्र की पूजा की तैयारी कर रहे हैं। घर में विविध प्रकार के पकवान बनाए जा रहे हैं। यशोदा मैया भी बारहों व्यंजन बनाने में व्यस्त हैं। कृष्ण मैया के पास गए, बोले- मैया-मैया! क्या पका रही हो?

संक्षिप्त समाचार ....

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी कोरोना संक्रमित, एयरलिफ्ट कर ले जाया गया लंदन

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी कोरोना संक्रमित होने के बाद ऑक्सीजन स्पोर्ट पर हैं। ललित मोदी ने खुद ही अपने स्वास्थ्य के बारे में सोशल मीडिया पर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि उन्हें मेक्सिको से एयरलिफ्ट कर लंदन ले जाया गया है।आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया कि वह दो सप्ताह में दो बार कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद ऑक्सीजन स्पोर्ट पर हैं। 59 वर्षीय ललित ने अपने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने बताया कि तीन सप्ताह के कारावास के बाद उन्हें मेक्सिको से एयरलिफ्ट कर लंदन ले जाया गया है। ललित मोदी ने मेक्सिको और लंदन में इलाज करने वाले डॉक्टरों का शुक्रिया अदा करते हुए उन्हें सुपरस्टार बताया है।ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में अस्पताल के बिस्तर से अपनी फोटो शेयर करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंजा और निमोनिया के बाद दो सप्ताह में दो बाद कोविड के साथ तीन सप्ताह के कारावास के बाद उन्हें इलाज के लिए लाया गया है। उन्होंने मेक्सिको और लंदन के दो डॉक्टरों को सुपरस्टार बताते हुए कहा कि उन्हें एयर एम्बुलेंस के माध्यम से लंदन में सकुशल उतरवाया गया।उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से अभी भी 24 गुणा 7 से ऑक्सीजन पर हैं। मेरे लिए प्रार्थना करने वालों के लिए सभी को धन्यवाद। मैं सभी का बहुत आभारी हूं। एक अन्य पोस्ट में ललित मोदी ने दो डॉक्टरों के बारे में भी उल्लेख किया है, जिन्होंने उनकी देखभाल की है। बता दें कि ललित मोदी पिछले साल उस समय एक बार फिर सुर्खियों में थे, जब उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन से अपने रिश्ते की बात का खुलासा किया था। उन्होंने जुलाई 2022 में सुष्मिता सेन से रिश्ते को लेकर दोनों की कई फोटो पोस्ट की थीं। हालांकि, सुष्मिता सेना ने ललित मोदी के साथ डेटिंग को लेकर किसी तरह की कोई पुष्टि नहीं की थी।

सूर्यकुमार यादव को टेस्ट टीम में शामिल करने पर भड़के दिग्गज, बोले- ये शर्म की बात

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए टीम इंडिया स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टेस्ट टीम में टी20 के तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को शामिल किया गया है। लेकिन, इससे क्रिकेट के एक्सपर्ट और फैंस खुश नहीं हैं। उन्होंने घोषित की गई टीम पर सवाल उठाए हैं।

टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 खेलेगी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसके पहले दो टेस्ट के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टेस्ट टीम में टी20 के तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को शामिल किया गया है। लेकिन, इससे क्रिकेट के एक्सपर्ट और फैंस खुश नहीं हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए घोषित की गई टीम पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि सूर्यकुमार यादव टी-20 फॉर्मेट में तो जमकर रन बना रहे हैं, लेकिन लंबे फॉर्मेट में सूर्या को खुद को साबित करना होगा।

दरअसल क्रिकेट के एक्सपर्ट और फैंस इसलिए गुस्सा हैं, क्योंकि मुंबई के ही खिलाड़ी सरफराज खान का टीम इंडिया में चयन नहीं किया गया है। जबकि सरफराज घरेलू क्रिकेट में लगातार लंबी पारियां खेल रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में ही सरफराज खान अब तक मुंबई के लिए 431 रन बना चुके हैं, जिसमें उनके दो शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, पिछले सीजन में सरफराज ने महज 6 मैचों में 982 रन बनाए थे। पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चौपड़ा ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि टीम इंडिया की टेस्ट टीम में ओपनर की जरूरत थी। उम्मीद थी कि सरफराज खान टीम में जगह बनाने में कामयाब होंगे। उन्होंने वह सब कुछ किया है, जो कॉल-अप के लायक हो सकता है। वहीं, प्रसिद्ध कमेंटेटर हर्षा भोगले ने कहा है कि सरफराज खान प्रथम श्रेणी क्रिकेट जबरदस्त प्रदर्शन किया है। आप उससे ज्यादा नहीं कर सकते, जो उसने किया है।वहीं, सोशल मीडिया पर क्रिकेट फैंस ने लिखा है कि सरफराज खान को नजरअंदाज कर सूर्यकुमार यादव का चयन करना रणजी ट्रॉफी के अपमान के समान है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सरफराज लगातार रन बना रहे हैं। ऐसे में वह सबसे ज्यादा डिजर्व करते हैं। वहीं, अन्य फैन ने लिखा कि अब रणजी ट्रॉफी में प्रदर्शन पर निर्भरता कम हो गई है और पब्लिक ओपिनियन को तवज्जो दे रहे हैं।

आखिरी वनडे के लिए तिरुवनंतपुरम नहीं जाएंगे राहुल द्रविड़!

द्रविड़ का स्वास्थ्य ठीक नहीं है और वे कोलाकाता से सीधा अपने घर बेंगलुरु लौटेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 50 वर्षीय द्रविड़ दूसरे वनडे मैच के बाद होटल में असहज महसूस कर रहे थे और उनका बीपी भी बढ़ा हुआ था। ऐसे में फ़ाइनल मुक़ाबले में द्रविड़ टीम के साथ नहीं होगे और टीम को उनकी कमी ज़रूर खलेगी।

भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुक़ाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत इस सीरीज के पहले दो मुक़ाबले जीत पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका है। भारत ने गुवाहाटी में पहला वनडे 67 रन जबकि कोलाकाता में दूसरा मैच 4 विकेट से अपने नाम किया था। लेकिन इस मुक़ाबले से पहले भारतीय टीम को एक बड़ा झटका लगा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ इस आखिरी मुक़ाबले में भारतीय टीम के साथ तिरुवनंतपुरम नहीं जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्रविड़ का स्वास्थ्य ठीक नहीं है और वे कोलाकाता से सीधा अपने घर बेंगलुरु लौटेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 50 वर्षीय द्रविड़ दूसरे वनडे मैच के बाद होटल में असहज महसूस कर रहे थे और उनका बीपी भी बढ़ा हुआ था। ऐसे में फ़ाइनल मुक़ाबले में द्रविड़ टीम के साथ नहीं होगे और टीम को उनकी कमी ज़रूर खलेगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, द्रविड़ को बीती रात कुछ परेशानी हुई थी और दवाई लेने के बावजूद वह पूरी तरह ठीक नहीं हैं। हेल्थ चेकअप के लिए वह वापस बेंगलुरु लौट सकते हैं। बता दें हाल ही में द्रविड़ ने अपना 50वां जन्मदिन मनाया था। द्रविड़ 2021 में टी20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया के कोच बने थे। रवि शास्त्री का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें कोच नियुक्त किया गया। द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया पिछले साल एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप में हारी थी।भारतीय टीम जब तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में उतरेगी तो उसकी नजर वनडे सीरीज में श्रीलंका का सूपड़ा साफ करने पर होगी।

मैच के बाद टैनिस कोर्ट में भिड़े खिलाड़ी, जमकर हुई गाली-गलौज

नई दिल्ली। इस हार से बौखलाए कॉरेंटीन मौटेट अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं कर पाये और एंड्रीव से मैच के बाद हाथ मिलाते वक़्त उन्हें धक्का दे दिया। दोनों के बीच बहस हुई और एकदूसरे को टक्कर मारी। इसके बाद दोनों एक दूसरे से भीड़ गए और हाथापाई करने लगे।

खेल के मैदान में कई बार विवाद देखें को मिलता है। कभी खिलाड़ी एक दूसरे को धक्का देते हैं तो कभी एक दूसरे पर भद्दे कमेंट्स करते हैं। ऐसे ही कुछ ओपन डी ऑरलियन्स चैलेंजर टूर्नामेंट में देखने को मिला। फ्रांस में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 मैच में बुल्गारिया के एड्रियन एंड्रीव और फ्रांस के कॉरेंटीन मौटेट आमने-सामने थे। इस मैच में 247वीं रैंक वाले एंड्रीव ने 64वीं रैंक के मौटेट को 2-6 7-6 7-6 से हारा दिया।

इस हार से बौखलाए कॉरेंटीन मौटेट अपने गुस्से पर कंट्रोल नहीं कर पाये और एंड्रीव से मैच के बाद हाथ मिलाते वक़्त उन्हें धक्का दे दिया। दोनों के बीच बहस हुई और एकदूसरे को टक्कर मारी। इसके बाद दोनों एक दूसरे से भीड़ गए और हाथापाई करने लगे। तभी रैफरी को बीच में आना पड़ा और दोनों को अलग कराया गया।

मैच के बाद मौटेट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने लिखा, %मैच के बाद जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं माफी नहीं मांगना चाहता हूं। जब एक खिलाड़ी मेरी आंखों में देखकर दो बार गालियां दे, तब मैं कुछ नहीं कर सकता, सिवाय उसे अपने अपनी भाषा में समझाने के। मौटेट की इस पोस्ट से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच जमकर गाली गलौज हुई है। मैच की बात करें तो मौटेट ने एंड्रीव से ब्रेक पॉइंट लेकर 3-0 की लीड बना ली। फ्रेंचमैन ने इसके बाद तीन ब्रेक प्वाइंट बचाकर पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

पूर्व भारतीय गेंदबाज ने दिया बयान

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में शिखर धवन को जगह मिलेगी या नहीं?

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य रह चुके आरपी सिंहइन दिनों साउथ अफ्रीका टी20 लीग में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे हैं।आरपी सिंह ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम साथ ही इस लीग को लेकर कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को लेकर एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 में धवन खेलते हुए नजर आएंगे या नहीं?

जब पूछा कि क्या शिखर धवन वनडे वर्ल्ड कप 2023 का हिस्सा होंगे या नहीं? तो इसका जवाब देते हुए आरपी सिंह ने कहा कि वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए खाका तैयार किया गया है, लेकिन शिखर धवन इसका हिस्सा हैं कि नहीं इसे लेकर मैं कन्फर्म नहीं हूं।

शिखर धवन जिस स्पाट के लिए खेलते हैं उनका अब तक का सफर अच्छा रहा है, लेकिन अब स्ट्राइक रेट मैटर करने लगा है। साथ ही अब नए खिलाड़ियों को मौका मिलने लगा है। नए खिलाड़ियों की अब भरमार लगी हुई है, जिसमें शुभमन गिल, ईशान किशन के साथ ही रितुराज गायकवाड़ भी अच्छे बल्लेबाज हैं। इन खिलाड़ियों के आने के बाद अब मुझे शिखर धवन का चांस कुछ कम लगता है।

इसके बाद आरपी सिंह से पूछा गया कि जोफ्रा आर्चर और डेवाल्ड ब्रेविस साउथ अफ्रीका टी20 लीग में मुंबई की टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में जोफ्रा की वापसी और ब्रेविस के मुंबई टीम में आने से आइपीएल 2023 में मुंबई को कितना फायदा होगा।

इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जोफ्रा की वापसी से मुंबई को काफी फायदा होगा क्योंकि पिछले सीजन में इनकी इंजरी की वजह से मुंबई को नुकसान हुआ था। सीजन 2022 में मुंबई की टीम कई चुनौतियों से जूझ रही थी, हालांकि इस टीम के साथ ऐसा होता नहीं है। यह टीम शानदार खिलाड़ियों को अपने साथ लेकर आते हैं। वैसे स्टब्स टीम में थे, लेकिन जोफ्रा टीम का हिस्सा नहीं है। अब दोनों खिलाड़ी फिट हैं और लय में भी हैं तो इसका फायदा होगा।वहीं ब्रेविस के बारे में आरपी ने कहा कि एबी डिविलियर्स से उनकी तुलना नहीं हो सकती क्योंकि वो काफी अलग हैं और मैं उनके साथ खेला हूं। जहां तक बेबी एबी की बात है तो वो काउ कार्नर, मिड विकेट, स्क्वायर लेग पर दमदार बल्लेबाजी करते हैं, लेकिन डिविलियर्स अलग थे। यह अच्छा है कि उनकी तुलना इस महान खिलाड़ी के साथ की जा रही है, लेकिन उन्हें लंबा सफर तय करना है। इसके अलावा आरपी सिंह ने कहा कि साउथ अफ्रीका टी20 लीग का सबसे बड़ा दावेदार वो मुंबई की टीम एमआइ केपटाउन को मानते हैं।

33 साल की उम्र में गैरेथ बेल ने फुटबॉल को कहा अलविदा

वेल्स के स्टार कप्तान ने अपने प्रशंसकों को चौंकाया। कतर फीफा विश्व कप में खेला था अपना अंतिम मैच। रियाल मैड्रिड के साथ जीत चुके हैं **पांच चैंपियंस लीग खिताब।**

33 साल की उम्र में गैरेथ बेल ने फुटबॉल को कहा अलविदा
गैरेथ बेल ने फुटबॉल को कहा अलविदा
111 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं गैरेथ बेल ने वेल्स के लिए
41 गोल किए हैं कुल अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए
176 मैच खेले रियाल मैड्रिड के लिए
81 गोल दागे स्पेनिश क्लब की ओर से
664 मैच खेले हैं कुल बेल ने अपने करियर में
226 गोल किए हैं स्टार खिलाड़ी ने
22 ट्रॉफी जीती हैं अपने करियर में कुल

वेल्स. वेल्स फुटबॉल टीम के कप्तान और रियाल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी गैरेथ बेल ने सोमवार को अपने प्रशंसकों को चौंकाते हुए तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा कर दी। बेल ने फुटबॉल के सभी प्रारूपों से संन्यास का ऐलान कर दिया। 33 साल के बेल ने सोमवार को अपने बयान में कहा कि काफी सोचने और समझने के बाद मैंने यह फैसला लिया है। यह आसान नहीं था, लेकिन मैं तत्काल प्रभाव से क्लब और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले रहा हूं।गैरेथ बेल की कप्तानी में वेल्स ने 2016 और 2020 यूरो कप में हिस्सा लिया और 1958 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप का टिकट कटाया। हालांकि वेल्स टीम कतर फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप दौर से ही बाहर हो गई थी। बेल ने अपना अंतिम मैच विश्व कप में ही खेला था। इतना ही नहीं बेल पांच बार चैंपियंस लीग जीतने वाली रियाल मैड्रिड टीम के अहम सदस्य रहे हैं।

16 साल की उम्र में किया पदार्पण-बेल जब स्कूल में थे तभी उन्हें साउथम्पटन ने अपने क्लब में शामिल कर लिया था। 16 साल की उम्र में उन्होंने पेशेवर के तौर पर अपने करियर का आगाज किया था। वे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण करने वाले भी सबसे युवा खिलाड़ी बने।

जंगल में पेड़ पर लटकी मिली महिला क्रिकेटर राजश्री स्वैन की लाश, परिवार ने बताया मर्डर

नई दिल्ली। ओडिशा के कटक जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक महिला क्रिकेटर की लाश जंगल में पेड़ से लटकी मिली है।

मृतका क्रिकेटर की पहचान ओडिशा की 26 वर्षीय क्रिकेटर राजश्री स्वैन के रूप में हुई है। राजश्री स्वैन ओडिशा की एक उदीयमान क्रिकेटर थी।

ओडिशा की एक महिला क्रिकेटर की लाश जंगल में पेड़ से लटकी मिली है। महिला क्रिकेटर की पहचान 26 वर्षीय राजश्री स्वैन के रूप में हुई है। राजश्री स्वैन की गिनती ओडिशा की उदीयमान महिला क्रिकेटरों में होती थी। राजश्री स्वैन की लाश शुक्रवार को कटक जिले के घने जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। महिला क्रिकेटर की पेड़ से लटकती लाश मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रिकेटर के शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस ने बताया कि स्वैन 11 जनवरी से लापता थीं। पुलिस को जंगल के पास उनकी स्कूटी लावारिस हालत में खड़ी मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चलेगी। इधर महिला क्रिकेटर के परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है।

अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज, जांच जारी

घटना की जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त पिनाक मिश्रा ने कहा कि मामले में अप्राकृतिक मौत का केस दर्ज किया गया है। हमें राजश्री स्वैन का शव अठागढ़ इलाके के गुरुदिझटिया जंगल में एक पेड़ से लटका मिला. फिलहाल पुलिस सभी एंगल से इस मर्डर केस की जांच करेगी।

ट्रेनिंग कैंप में भाग लेने गई थी राजश्री स्वैन

राजश्री स्वैन पुरी जिले की रहने वाली थी। पुडुचेरी में आगामी राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट के लिए ओडिशा क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित ट्रेनिंग कैंप में भाग लेने गई थीं। हालांकि, स्वैन टूर्नामेंट के लिए चुनी गई 16 सदस्यीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रही थीं।

क्या नेपाल प्लेन क्रैश का जिम्मेदार है चीन? खराब निकला चाइनीज कंस्ट्रक्शन, निगल गया 72 यात्रियों की जान

काठमांडू। चीन की चीजों पर कभी आंख मूद कर भरोसा करना सबसे बड़ी मुर्खता साबित हो सकती हैं। इस बात को चाइनीज प्रोडक्ट कई बार साबित कर चुके हैं। चीन अपनी दावों की तरह ही कच्चे काम भी करता हैं। नेपाल के हाल ही में बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई पर रविवार एक भयानक हादसा हुआ और एक प्लेन क्रैश हो गया। इस एयपोर्ट का कंस्ट्रक्शन चीन ने हाल ही मं करवाया था। खबरों के मुताबिक पाल में पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन दो सप्ताह पहले देश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड द्वारा किया गया था और इसका निर्माण चीन की सहायता से किया गया था। इसी हवाई अड्डे पर एक विमान रविवार को उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 72 व्यक्ति सवार थे।अन्नपूर्णा पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि में निर्मित, हवाई अड्डे का आधिकारिक उद्घाटन एक जनवरी, 2023 को किया गया था। यह महत्वपूर्ण परियोजना चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) सहयोग का हिस्सा थी। समाचार पत्र 'काठमांडू पोस्ट' के मुताबिक, नेपाल सरकार ने हवाई अड्डे के निर्माण के लिए मार्च 2016 में चीन के साथ कम ब्याज दर पर 21.59 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल, चीन के पूर्व विदेश मंत्री वांग यी ने पोखरा क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को बालुवाटार में आयोजित एक शिष्टाचार भेंट के दौरान सौंपा था।

एक बचाव अधिकारी ने बताया कि पोखरा में रविवार को हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान पांच भारतीयों समेत 72 लोगों को लेकर जा रहा एक नेपाली यात्री विमान रविवार को नदी घाटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम 68 लोगों की मौत हो गई।

15 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है भारतीय सेना दिवस, जानें इसके पीछे का कारण

मूल रूप से 1 अप्रैल 1895 को ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय सेना का गठन किया गया था और इसे ब्रिटिश भारतीय सेना कहा जाता था। वर्ष 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद 15 जनवरी, 1949 को ही देश को अपना पहला भारतीय प्रमुख मिला था।

भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ - जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) के.एम. करियप्पा की उपलब्धियों को याद करने के लिए भारत हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाता है। इस दिन 1947 के युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाले करियप्पा ने 1949 में अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल सर एफआरआर बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली और स्वतंत्र भारत के पहले मुखिया भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने। करियप्पा और रक्षा बलों को सम्मानित करने के लिए हर साल सेना दिवस मनाया जाता है।

सेना दिवस का इतिहास और महत्व

मूल रूप से 1 अप्रैल 1895 को ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय सेना का गठन किया गया था और इसे ब्रिटिश भारतीय सेना कहा जाता था। वर्ष 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद 15 जनवरी, 1949 को ही देश को अपना पहला भारतीय प्रमुख मिला था। लेफ्टिनेंट जनरल के एम करियप्पा ने 1949 में भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर इन चीफ जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ का पद संभाला। अंग्रेजों से भारत में सत्ता का हस्तांतरण भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है और इसे सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले जवानों को भी नमन करता है।

कैसे मनाया जाता है भारतीय सेना दिवस

भारतीय सेना दिवस राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के साथ-साथ सभी मुख्यालयों में परेड और अन्य सैन्य कार्यक्रमों के रूप में मनाया जाता है। 15 जनवरी 2023 को, भारत ने नई दिल्ली में अपना 75वां भारतीय सेना दिवस मनाया। सेना दिवस देश और इसके नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को सलाम करने का दिन है। समारोह देश भर में होते हैं, मुख्य सेना दिवस परेड दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड मैदान में आयोजित की जाती है। इस दिन वीरता पुरस्कार और सेना पदक भी प्रदान किए जाते हैं। 2020 में 15 सैनिकों को वीरता पुरस्कार प्रदान किए गए। परम वीर चक्र और अशोक चक्र पुरस्कार विजेता हर साल सेना दिवस परेड में भाग लेते हैं। सैन्य हार्डवेयर, कई दल और एक लड़ाकू प्रदर्शन परेड का हिस्सा हैं। 2020 में कैप्टन तानिया शेरगिल सेना दिवस परेड की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं।

भारतीय सेना के बारे में

भारतीय सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है, जो अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। भारतीय सेना का आदर्श वाक्य %स्वयं से पहले सेवा% है और इसका मिशन राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करना, बाहरी आक्रमण और आंतरिक खतरों से देश की रक्षा करना और अपनी सीमाओं के भीतर शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। हमारी रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को शत शत नमन। 1965 में भारत के प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी जय जवान जय किसान जैसा नारा दिया था।

मकर संक्रांति पर पवित्र स्नान के लिए गंगासागर पहुंचे लाखों श्रद्धालु, भीड़ में दो लोगों की मौत

सागर आइलैंड। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के सागर आइलैंड स्थित गंगासागर में शनिवार को मकर संक्रांति के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान दो लोगों की हृदय गति रुकने से मौत हो गई, जिनकी उम्र 70 साल के आसपास थी। एक अन्य व्यक्ति की शुक्रवार को मौत हुई थी। मेला का प्रभार संभाल रहे पश्चिम बंगाल के ऊर्जा एवं खेल मंत्री अरुप बिश्वास ने बताया, ''पांच जनवरी से लेकर 14 जनवरी को मंकर संक्रांति तक करीब 40 लाख श्रद्धालु गंगासागर मेला में आ चुके हैं, जिनमें से अधिकतर अपने-अपने घरों को लौट चुके हैं।'' अरुप बिश्वास ने बताया कि शनिवार को शाम छह बजकर 53 मिनट पर मकर संक्रांति का स्नान शुरू हुआ और सर्दी के बावजूद लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और कपिल मुनि आश्रम में दर्शन किए। बिश्वास के मुताबिक, स्नान 24 घंटे तक चलेगा और कई श्रद्धालुओं के रविवार को स्नान करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि दो श्रद्धालुओं की शनिवार को मौत हो गई, जिनकी पहचान ओडिशा के रहने वाले 72 वर्षीय प्रताप चंद्र गिरि और बिहार निवासी 73 वर्षीय बियोला देवी के तौर पर की गई है।

मंत्री ने बताया कि अब तक 3,500 श्रद्धालुओं ने 'ई-स्नान' सेवा का लाभ लिया है, जिसके तहत ऑनलाइन ऑर्डर करने पर व्यक्ति के घर पर गंगासागर का पवित्र जल पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि गंगासागर मेला के दौरान ई-दर्शन के माध्यम से अब तक करीब 60 लाख लोगों ने कपिल मुनी मंदिर में दर्शन किए हैं। बिश्वास ने बताया कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, स्पेन, रूस, यूक्रेन, न्यूजीलैंड, ब्राजील और देश के अलग-अलग हिस्सों के श्रद्धालुओं ने सागर प्रवचन कार्यक्रम में हिस्सा लिया है, जिसमें अध्यात्म और शांति का संदेश दिया जाता है। उन्होंने बताया कि पहली बार राज्य के सूचना एवं संस्कृति विभाग ने मेला क्षेत्र में सात भाषाओं- बांग्ला, भोजपुरी, हिंदी, मराठी, उड़िया, तमिल और तेलुगु में उद्घोषणा की व्यवस्था की है, ताकि अलग-अलग राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत हो। मंत्री ने बताया कि मेले में सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं और अब तक विभिन्न अपराधों के सिलसिले में पुलिस ने कुल 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच, तटरक्षक बल और आपदा प्रबंधन दल के कर्मियों ने तटरेखा पर चौकसी बढ़ा दी है तथा पुलिस और सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को मेला मैदान में तैनात किया गया है। गंगासागर मेले पर नजर रखने के लिए 1,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और 25 ड्रोन तैनात किए गए हैं।

गजब: जुड़वा भाई एक-दूसरे से थे 900 किलोमी. दूर, फिर भी एक ही तरीके से चली गई जान

राजस्थान के बाड़मेर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है. दरअसल, बाड़मेर के रहने वाले दो जुड़वा भाइयों को एक ही तरीके से मौत हो गई, जबकि वो एक-दूसरे से करीब 900 किलोमीटर दूर थे. हर कोई हैरान है कि ऐसा कैसे मुमकिन हो गया? जुड़वा भाइयों में एक भाई गुजरात में था और दूसरा भाई जयपुर में था. लेकिन दोनों की मौत एक ही तरह की घटना में हुई. इन जुड़वा भाइयों की मौत की घटना का विषय सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनाया हुआ है.

जुड़वा भाइयों की एक तरीके से मौत

जुड़वा मृत भाइयों का नाम सोहन सिंह और सुमेर सिंह था. एक भाई गुजरात के सूरत में एक टेक्सटाइल कंपनी में काम करता था तो दूसरा जयपुर में रहकर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था. लेकिन दोनों भाइयों की मौत एक ही तरीके से हो गई.

दोनों भाइयों की ऐसे हो गई मौत

बता दें कि पहले एक भाई सुमेर सिंह की मौत गुजरात में हो गई है. वह गुजरात में छत से गिर गया और उसकी जान चली गई. इस घटना की खबर सुनने के बाद दूसरा भाई जयपुर से अपने बाड़मेर वाले घर आया और फिर उसकी पानी के टैंक में फिसलकर गिरने के कारण मौत हो गई.

परिवार में मातम का माहौल

जुड़वा भाइयों की मौत के बाद उनके परिवार में मातम का माहौल है. हर कोई दोनों की एक जैसी घटना में हुई मौत से हैरान है. बीते गुरुवार को जुड़वा भाइयों का अंतिम संस्कार कर दिया गया.

पुलिस अधिकारी ने कही ये बात

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जुड़वा भाइयों की एक ही तरह की घटना में मौत की बात सामने आई है. हालांकि, हमने अभी बाड़मेर हुई मौत को सुसाइड मानने से इनकार नहीं किया है. मामला संज्ञान में आया है.

बाइडेन के आवास पर और गोपनीय दस्तावेज मिले: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के डेलवेयर आवास से गोपनीय दस्तावेज के पांच अतिरिक्त पन्ने मिले हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि इसके साथ ही अभी तक बाइडन के आवास से करीब 24 गोपनीय दस्तावेज बरामद हो चुके हैं। ये दस्तावेज ऐसे समय मिले हैं जब कुछ घंटे पहले व्हाइट हाउस अधिवक्ता कार्यालय ने एक बयान जारी करके बाइडन के आवास से एक गोपनीय दस्तावेज बरामद होने की जानकारी दी थी और अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी रॉबर्ट हुर को मामले की जांच करने के लिए विशेष अधिवक्ता नियुक्त किया था। इसके साथ ही बाइडन के डेलावेयर आवास और वाशिंगटन डीसी स्थित उनके निजी कार्यालय से बरामद दस्तावेजों की कुल संख्या तकरीबन 24 हो गयी है।

बहरहाल, इन दस्तावेजों की विस्तृत जानकारियां अभी पता नहीं है लेकिन ये उस दौर के हैं जब बाइडन 2009 से 2016 तक बराक ओबामा प्रशासन में उपराष्ट्रपति थे। आमतौर पर अपना सप्ताहांत डेलावेयर के विलमिंगटन आवास पर बिताने वाले बाइडन शुक्रवार शाम को वहां पहुंचे थे। व्हाइट हाउस के विशेष अधिवक्ता रिचर्ड सॉबर ने शनिवार को एक बयान में कहा कि बुधवार रात को बाइडन के गैराज से सटे एक कमरे में एक गोपनीय दस्तावेज बरामद हुआ था। सॉबर ने कहा कि बाइडन के निजी वकीलों ने सुरक्षा अनुमति न होने के कारण बुधवार शाम को एक पन्ना मिलने के बाद आगे की तलाशी रुकवा दी थी।

सॉबर को शेष सामग्री बृहस्पतिवार को मिली, जब वह न्याय विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर पहुंचे थे।

चांद मोहम्मद ने खुद को सनी बताकर की शादी, फिर धर्मांतरण का डालने लगा दबाव

मना करने पर गर्म तेल डाला, सिगरेट से जलाया, जबरन मांस खिलाया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से धर्मांतरण से जुड़ा एक हैरत अंगेज मामला सामने आया है। एक महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने अपने धर्म परिवर्तन का विरोध किया तो उसके पति ने उसे बार-बार पीटा, सिगरेट से जलाया और प्रतिबंधित मांस खाने के लिए मजबूर किया। घटना उत्तर प्रदेश के लखनऊ की बताई गई है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति चांद मोहम्मद ने अपनी धार्मिक पहचान छुपाकर खुद को हिंदू बताकर धोखे से उससे शादी की।

महिला ने आरोप लगाया कि मोहम्मद ने उससे शादी करने के लिए सनी मौर्य का रूप धारण किया, जिसके बाद वे शहर में किराए के मकान में रहने लगे। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने इस्लाम कबूल करने से इनकार किया तो उस व्यक्ति ने उसका यौन उत्पीड़न किया, उसे सिगरेट के बट्स से जलाया और उस पर गर्म तेल डाला। उसने दावा किया कि अगर उसने उसके खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की तो उसने जान से मारने और अपने रिश्तेदारों द्वारा उसका बलात्कार करने की धमकी भी दी।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब भी महिला घर से भागकर शिकायत दर्ज कराने की कोशिश करती, तो वह उसे घर में बंद कर देता और उसकी पिटाई करता। उसने यह भी दावा किया कि जब वह पांच महीने की गर्भवती थी, तब मोहम्मद ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसका गर्भपात हो गया।

महिला को अब वन-स्टॉप सेंटर द्वारा बचाया गया है, और वह जल्द ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगी। वन-स्टॉप सेंटर योजना राष्ट्रीय महिला अधिकारिता मिशन की एक उप-योजना है, जिसमें इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना भी शामिल है।

छठी क्लास की लड़की के घर पहुंचा 8वीं क्लास का लड़का, गर्दन पर चाकू रखकर भर दी मांग

आठवीं क्लास में पढ़ने वाला लड़का, छठी क्लास में पढ़ने वाली लड़की के घर में घुसा और उसकी गर्दन पर चाकू रखकर उसकी मांग में सिंदूर भर दिया. एकतरफा प्यार की ये कहानी किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं है. घटना उत्तर प्रदेश के महाराजगंज की है. घटना के बाद लड़की के पिता ने पुलिस में केस दर्ज करवाया है, जिसके बाद 16 वर्षीय लड़के को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. दरअसल, 8वीं क्लास में पढ़ने वाला ये लड़का छठी क्लास में पढ़ने वाली लड़की से प्यार करता था. वो पिछले तीन महीनों से उसके पीछे पड़ा था. वो कई बार प्रपोज भी कर चुका था. उसकी हरकतों से परेशान होकर लड़की के पिता ने स्कूल भी बदलवा दिया था, लेकिन इसके बाद भी लड़का नहीं माना और **चाकू की नोक पर सिंदूर भर दिया.**- महाराजगंज पुलिस स्टेशन के थानाध्यक्ष रवि कुमार राय ने बताया कि शनिवार की शाम लड़का अपने एक दोस्त के साथ 14 वर्षीय लड़की के घर पहुंचा. लड़की उस समय फर्श पर झाड़ू लगा रही थी, तभी लड़के उसके घर की चारदीवारी फांदकर घर में घुस गए. उनमें से एक लड़के ने लड़की के गले पर चाकू रखा और उसके माथे पर सिंदूर लगा दिया.

कई धाराओं में केस दर्ज-पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि लड़के के इस हरकत की वजह से लड़की घबरा गई और उसने शोर मचाया लेकिन इससे पहले कि कोई वहां पहुंचता, लड़के भागने में कामयाब रहे. जब लड़की के पिता काम के बाद घर लौटे, तो उसने उसे अपनी आपबीती उन्हें सुनाई.

लड़का बोला- प्यार करता हूं, शादी भी करूंगा-थानाध्यक्ष राय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लड़के जिस मोटरसाइकिल पर सवार होकर लड़की के घर पहुंचे थे उसकी पहचान हो गई. इसके बाद पुलिस की टीम ने लड़के का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया. लड़के के पिता की फुटवियर की दुकान है. लड़के को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जिसके बाद उसे बाल सुधार गृह में भेज दिया गया. राय ने कहा कि लड़के ने इस हरकत के लिए कोई पछतावा नहीं जताया. लड़के ने कहा कि वह लड़की से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है.

स्कूल बदला तो भी नहीं छोड़ा पीछा-पुलिस के मुताबिक, लड़का पिछले तीन महीने से लड़की का पीछा कर रहा था, वो लगातार उसे प्रपोज कर परेशान करता था. जब लड़की के माता-पिता को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने उसे दूसरे स्कूल में भर्ती करा दिया था?

खाने में थूकना या कोई और वजह? आखिर क्या है इस वायरल वीडियो की सच्चाई

अकसर सोशल मीडिया पर खाने में थूकने का दावा करने वाले वीडियोज सामने आते हैं. क्या मुस्लिम समुदाय के लोग खाना बनाने या परोसने से पहले उसमें थूकते हैं? ये वो सवाल है, जिस पर अकसर सोशल मीडिया पर वार-पलटवार के बाण चलते रहते हैं. अब सोशल मीडिया पर एक और वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर लोग दावा कर रहे हैं कि मुस्लिम स्कॉलर खाने में थूक रहे हैं. वहीं कुछ लोग इसे झूठा बताते हुए दलील दे रहे हैं कि वे थूक नहीं रहे बल्कि फूंक रहे हैं.

क्या बोले एक्सपर्ट्स?

हालांकि एक्सपर्ट्स का वायरल वीडियो पर कहना है कि खाने में थूकने जैसी बात बेबुनियाद है. मुस्लिम स्कॉलर मतीन खान के मुताबिक, खाने में थूकने जैसा कोई रिवाज ही नहीं है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खाने में थूकने वाली वीडियो के दावे को मुस्लिम स्कॉलर मतीन खान ने बेबुनियाद बताया. उन्होंने कहा, कुछ लोग खाना बनते वक्त कुरान की आयतें पढ़कर दम करते हैं. सभी मुसलमान ऐसा नहीं करते. और जो लोग ऐसा करते हैं, वे फूंकते हैं, थूकते नहीं हैं. उन्होंने बताया कि थूकने वाली बात झूठी है और थूकने जैसा कोई रिवाज या परंपरा ही

नहीं है. उन्होंने कहा कि दम इसलिए किया जाता है ताकि बरकत हो. आसान शब्दों में समझा जाए तो दम करने से खाना कम नहीं पड़ता और सबके हिस्से में आ जाता है. गरीबों के लिए खाना पहले ही निकाल लिया जाता है. मतीन खान ने यह भी कहा कि जो वीडियो में लोग नजर आ रहे हैं, वे मलेशिया या फिर दक्षिण के मुसलमान लग रहे हैं क्योंकि दिल्ली में धोती-कुर्ता (तहमद) पहना नहीं जाता.

क्या है वीडियो में

वीडियो में चावल बनाया जा रहा है और कुछ लोग आसपास खड़े हैं. दावा किया जा रहा है कि एक व्यक्ति चावलों में थूक देता है. इस वीडियो को कई हैंडल्स से शेयर किया गया है. मेजर सुरेंद्र पूनिया ने भी वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है- खाने में थूकने का क्या लॉजिक है भाई? क्या कोई समझा सकता है?

लड़कियों के साथ लग्जरी होटल में खाना खा रहा अजगर, देखने वाले यकीन नहीं कर पाएंगे!

सोशल मीडिया पर आए दिन वैसे तो अजगर के कई वीडियोज सामने आते रहते हैं. कई बार वे दूसरों को नुकसान भी पहुंचाते हुए दिख जाते हैं. लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो सामने आया जो शायद लोगों को चौंका देगा. इसमें एक लग्जरी होटल में दो लड़कियों के साथ एक अजगर डिनर लेते हुए दिख गया.

दो लड़कियां एक रेस्तरां में-दरअसल, इस वीडियो को एक यूजर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इसमें दिख रहा है कि दो लड़कियां एक रेस्तरां में खाना खा रही हैं और वहां काफी भीड़ भी लग रही है. हालांकि वीडियो देखकर लग रहा है कि यह भारत के बाहर का, लेकिन यहां ये जमकर वायरल जरूर हो रहा है और लोग शेयर भी कर रहे हैं.

सामने टेबल पर अजगर बैठा-वीडियो में जो सबसे चौंकाने वाली बात है वह यह है कि लड़कियों के साथ सामने टेबल पर अजगर बैठा हुआ है. ऐसा लग रहा है कि वे तीनों डेट पर गए हुए हैं. उन लड़कियों के सामने काफी अच्छी-अच्छी डिश रखी हुई है और वे उसे खा रही हैं. इसी बीच एक लड़की अपने चम्मच से उस अजगर को भी खिलाती हुई दिख रही है.

उन्हीं के साथ खाने का आनंद-मजे की बात यह है कि वह अजगर भी उन्हीं के साथ खाने का आनंद ले रहा है. इसके बाद वह दूसरी तरफ दूसरी लड़की की प्लेट को देखने लगता है. इस वीडियो को जिसने भी देखा वह हैरान हो गया. एक यूजर ने लिखा कि यह एक पालतू अजगर होगा. वहीं एक अन्य ने लिखा कि अजगर भी पालतू होता है, यह आज पता चला. फिलहाल इस पर मिलीजुली प्रतिक्रिया आ रही है.

नेपाल सीमा पर अवैध मदरसों को कौन कर रहा है फंडिंग?

योगी सरकार ने जिलाधिकारियों को दिए जांच के आदेश

पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से सटे भारत-नेपाल सीमा पर मस्जिदों और मदरसों की बढ़ती संख्या गंभीर सुरक्षा चिंताओं का विषय है, खुफिया एजेंसियों ने भी हाल ही में अपनी रिपोर्ट में इसको लेकर चिंता जाहिर की थी। रिपोर्ट में कहा गया है था कि धार्मिक सेटअप नेपाल की सीमा से 10 किमी के भीतर और नेपाल की सीमा के पार भी हैं, जिससे बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में सीमावर्ती क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन हुआ है। अब नेपास की सीमा से सटे अवैध मदरसों पर उत्तर प्रदेश सरकार सख्त नजर आ रही है। यूपी सरकार ने जिले के जिलाधिकारियों को नेपाल सीमा से सटे अवैध मदरसों के फंडिंग स्रोतों की जांच के आदेश दिए हैं। बताया जाता है कि इन मदरसों ने खुद को चलाने के लिए मिलने वाले जकात यानी दान के पैसे को अपने इनकम का जरिया घोषित किया हुआ है।उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि नेपाल की सीमा पर ऐसे मदरसे हैं, जो अपने डोनेशन ग्रुप का नाम नहीं बता रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसे मदरसों की पहचान कर ली गई है। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि ऐसा लगता है कि इन मदरसों को बाहर से पैसा मिल रहा है। कोई बाहर से उन्हें फंड क्यों देगा? योगी सरकार के मंत्री ने साफ कहा कि हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चों का गलत इस्तेमाल हो, इसकी संभावनाएं हैं।

मदरसों की अवैध फंडिंग का क्या है मामला? -अधिकारियों ने खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में, नेपाली क्षेत्रों में मस्जिदों की संख्या 2018 में 760 से बढ़कर 2021 में 1,000 हो गई है, जबकि मदरसों की संख्या 2018 में 508 से बढ़कर 2021 में 645 हो गई है। सुरक्षा ग्रिड के सूत्रों ने कहा कि इन धार्मिक प्रतिष्ठानों को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और विदेशों में काम कर रहे अन्य भारत विरोधी संगठनों द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि इन मस्जिदों और मदरसों के आकार और भव्यता से ही विदेशी फंडिंग का संकेत मिलता है और इन धार्मिक घरानों को आईएसआई के अलावा अरब देशों से भी फंडिंग मिलती है।

योगी के नेतृत्व में प्रदेश तरक्की के नए सोपान लिख रहा हैं:भूपेंद्र सिंह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहले एक बीमारू प्रदेश के रुप में चर्चा होती थी। आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश तरक्की के नए सोपान लिख रहा है।आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के बीच बेहतर संदेश देने के लिए विधान परिषद चुनाव मे बडी जीत की दरकार है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने उक्त बाते रविवार को कानपुर-उन्नाव खण्ड स्नातक क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार अरूण पाठक के साकेत नगर स्थित केन्द्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हमे हर वर्ष हर समय परीक्षा देनी होती है।कोई भी चुनाव हो आप सब लोगों ने इतना स्नेह व आशीर्वाद भाजपा को दिया है कि सार्वजनिक जीवन में हमारे लिए

बेहतर करना चुनौती है।पहले से बेहतर हम यही कर सकते है कि पिछली बार की अपेक्षा इस बार और अधिक वोटों से जीतना।प्रदेश अध्यक्ष ने केन्द्र एवं प्रदेश सरकारों के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि दोनो ही सरकारों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, ग्रामीण विकास, बिजली एवं स्वच्छ पानी की उपलब्धता के साथ ही भ्रष्टाचार एवं माफियाओं के नेटवर्क को प्रदेश से नेस्तनाबूद करने का जो काम किया है उसके परिणामस्वरूप ही आज उत्तर प्रदेश एक बेहतर राज्य के रूप में सामने आया है।उन्होंने आगे कहा कि 2024 मे लोकसभा के चुनाव है और इससे पहले 5 विधानपरिषद के चुनाव के साथ ही निकाय चुनाव भी है ।इसलिए मतदाताओं के बीच बेहतर संदेश देने के लिए इन चुनाव मे बडे अन्तर से जीत के लिए हमे संकल्पित होना है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश के माध्यम से एक रोजगार परक व्यवस्था को लेकर आगे बढ़ रही है। विकास का यह पहिया अनवरत चलता रहे और विधानपरिषद मे भी भाजपा एक मजबूत सत्तारूढ़ दल के रूप में जनता की सेवा कर सके इसलिए भी इन चुनाव में भी जीत आवश्यक है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम पोलिंग स्टेशन स्तर पर कार्य विभाजित कर शत-प्रतिशत भाजपा के पक्ष मे मतदान कराए।इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, राहुल सोनकर, प्रतिभा शुक्ल, अभिजीत सिंह सांगा,नीलिमा कटियार, प्रमिला पांडेय, सुनील बजाज, बाल चन्द्र मिश्र, प्रकाश वीर आर्य आदि रहे।

स्कूल संचालक पर नौकरानी ने रेप का लगाया आरोप मुकदमा दर्ज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी थाने में स्कूल संचालक के खिलाफ नौकरानी ने रेप की एफआईआर दर्ज कराई है। नौकरानी ने बताया कि घर पर मालिक अकेले थे। इस दौरान मालिक ने उसके साथ रेप किया। 2500 रुपए देकर मुंह बंद रखने की धमकी दी। घर से निकलने के बाद महिला ने पनकी थाने में स्कूल संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।पनकी रतनपुर निवासी प्रहलाद बाजपेई चंद्रशेखर इंटर कॉलेज के संचालक हैं। इलाके में रहने वाली एक महिला उनके घर में नौकरानी है। महिला ने बताया कि रविवार को वह प्रहलाद के घर काम पर पहुंची तो मालकिन घर पर नहीं थीं। प्रहलाद ने कमरे में ले जाकर दरिंदगी की। इसके बाद 2500 रुपए देकर मुंह बंद करने की धमकी दी। कहा कि अगर किसी को बताया तो ठीक नहीं होगा। पनकी थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपी स्कूल संचालक के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

मकर सक्रांति पर्व गांव-गांव में धूमधाम से मनाया गया

व्यापारियों ने स्टॉल लगाकर किया खिचड़ी वितरण

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। क्षेत्र में मकर संक्रति का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। यहां पर गांव गांव में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। व्यापारियों ने स्टॉल लगाकर चौराहे पर आने जाने वाले लोगों को खिचड़ी वितरित की है। घाटमपुर क्षेत्र में पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। लोगो के एक दूसरे को पर्व की बधाइयां भी दी है। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के पतारा, सजेती, रेउना, जाजपुर में लोगों ने सुबह से स्नान करके पूजा अर्चना करने के बाद कन्याओं को खिचड़ी का दान किया है जिसके बाद घर पर खिचड़ी का प्रसाद चखा है। घाटमपुर नगर स्थित मुख्य चौराहे पर व्यापारियों के द्वारा लोगों को खिचड़ी वितरित किया गया है। वही पतारा कस्बा स्थित तिलसड़ा मोड़ पर कस्बा निवासी धर्मेंद्र मिश्रा, लक्ष्मण सिंह, शैलेंद्र मिश्रा, सम्मी गुप्ता, बीके आदि व्यापारियों ने बताया कि हम सभी प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी व्यापारियों के द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां से निकलने वाले सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी भोज का प्रसाद चखा है। मकर सक्रांति के पर्व को तहसील क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया है। क्षेत्र के गांव गांव में लोगों ने एक दूसरे को पावन पर्व की बधाई दी है। लोगों ने अपने अपने घरों में कन्याओं को खिचड़ी खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया है।

साढ़ में किसान की मौत: अन्ना मवेशियों से फसल की रखवाली करने गया था

ठंड लगने से मौत की आशंका, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बीपीएस न्यूज-घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के बैजूपुर गांव निवासी एक किसान खेत में अन्ना मवेशियों से फसलों की रखवाली करने गया था। इस दौरान उसकी खेत में मौत हो गई है। परिजन ठंड लगने से मौत की आशंका जता रहे है। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साढ़ थाना क्षेत्र के बैजूपुर गांव निवासी 32 वर्षीय विशाल यादव अपने पिता उमेश यादव के साथ खेतो में खड़ी फसल को अन्ना मवेशियों से बचाने के लिए गए थे, इस दौरान वह खेत में ठंड से बचने के लिए झोपड़ी बनाकर रहते थे, पिता उमेश ने बताया कि खेत में खड़ी फसल को अन्ना मवेशियों से बचाने के लिए वह अपने बेटे के साथ खेत में गए थे, इस दौरान बेटे विशाल ने कहा पापा जल्दी आओ मुझे बचाव आवाज सुनकर पिता उमेश दौड़कर आए तो विशाल ने कहा पापा मुझे ठंड लग रही है। जिसपर पिता ने आग जलाई और आग तापते हुए थोड़ी देर में विशाल की मौत हो गई। जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई है। परिजनों ने पुलिस से किसान की ठंड लगने से मौत होने की बात बताई है। पुलिस ने किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में साढ़ थानाध्यक्ष सच्चिदानंद ने बताया कि किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों ने ठंड से मौत की बात बताई है।

खिचड़ी वितरण कर साठू ने कहा एक दूसरे के साथ से ही ईश्वर प्रसन्न होता है

बीपीएस न्यूज

कानपुर । मकर संक्रांति की पावन बेला पर कलक्टर गंज वार्ड 106 के भावी कांग्रेस समर्पित पार्षद प्रत्याशी संजय बाथम (साठू) के नेतृत्व में घण्टाघर चौराहा पर राहगीरों को खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्री बाथम ने बताया कि समाज में एक दूसरे के साथ हाथ जोड़कर चलना चाहिए जिससे एक और एक ग्यारह होते हैं अगर हम आप सब मिलकर गरीबों की मदद करेंगे तो ईश्वर खुश होगा। आगे कहां कि भूखे को खाना खिलाना पुण्य का कार्य है। राहगीरों ने श्री बाथम की भूरी भूरी प्रशंसा भी की! खिचड़ी वितरण में सुनील राठौर, सुशील तिवारी, बब्लू गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, मुन्ना खां अनवार खां, आदि रहे ।

मकर संक्रांति का पर्व समरसता दिवस के रूप में मनाया गया

बीपीएस न्यूज-कानपुर। मसवानपुर के यूनाईटेड नगर में आयुध नगर का मकर संक्रांति का पर्व समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व विभाग समरसता प्रमुख योगेन्द्र द्वारा समाज को एक साथ मिलकर समरस जीवन जीने और समाज के पिछड़े और वंचित लोगो साथ लेकर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी समृद्ध और सामर्थवान भाईयो से आग्रह है कि हम सभी उन्हें गले लगाए और उनको बढ़ाने में मददगार बने और हिन्दू समाज को समरस, समृद्ध, सांस्कृतिक, शक्तिशाली बनाए। इस अवसर पर संघचालक नारायण, सह जिला कार्यवाह समीर, नगर कार्यवाह राजेन्द्र सैनी, सह नगर कार्यवाह राजेन्द्र सिंह, प्रचार प्रमुख मनीष, जिला सेवा प्रमुख अवधेश, जिला शारीरिक प्रमुख आदर्श नगर बौद्धिक प्रमुख सुशील, गजेन्द्र, सरोज, राघव, सतोष आदि ने समाज के सेवा बस्ती से आए लोगों को पहने वाले वस्त्र कम्बल और गजक पट्टी गुड़ से बनी सामग्री देकर उन्हें गले लगा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सांसद डिम्पल यादव का मनाया जन्मदिन

कानपुर। समाजवादी पार्टी ग्रामीण कर्यालय नवीन मार्केट में सपा नेत्री सांसद डिम्पल यादव के जन्म दिवस के मौके पर ग्रामीण निवर्तमान जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में केक काटकर उनका जन्म दिन मनाया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। देश की महिलाओं, मजदूरों, किसानों की संसद में आवाज बुलन्द करने वाली डिम्पल यादव की मैनपुरी से ऐतिहासिक जीत के लिए उनको बधाई भी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जितेन्द्र कटियार,धर्मेंद्र यादव,सुरेश गुप्ता, नरेंद्र सिंह यादव ,नितिन गुप्ता,अबुल हसन, हबीब अन्सारी,राहुल चौरसिया आदि के साथ बड़ी संख्या में समाजवादी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बसपा सुप्रीमो का 67वां जन्मदिन जनकल्याणकारी के रुप में मनाया गया

बीपीएस न्यूज-

कानपुर । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बहन कु मायावती का 67वें जन्मदिवस पर जनकल्याणकारी दिवस अंजली पार्टी लॉन, मैनावती मार्ग में मनाया गया, मुख्य अतिथि अभिषेक गौतम एड0 मुख्य मंडल जोन इंचार्ज कानपुर मंडल ने संबोधित करते हुए बहन कुमारी मायावती के कार्यकाल बारे में विस्तार से बताया, बीएसपी ने उत्तर प्रदेश में अपने शासन काल में भारतीय संविधान को ही अपना घोषणा पत्र के रूप में रखा, और उन्होंने बहन कुमारी मायावती के निर्देशानुसार गांव गांव सेक्टर और बूथ में जा कर लोगो को जगाने का काम करेंगे, आने वाले 2024 में लोकसभा में बीजेपी की ये शोषण वाली, डबल इंजन की सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे, और बहन कुमारी मायावती को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प दिलाया, इस अवसर पर प्रवेश कुरील, अनिल पाल मंडल जोन इंचार्ज, राम नारायन निषाद, जिला महामंत्री जिला अध्यक्ष बबलू चौधरी, शैलेंद्र सचान, पन्ना लाल जैसवार, दीप सिंह ,पूर्व महापौर प्रत्याशी अर्चना निषाद, हरी किशन ब्रह्मा, सुरेंद्र कुशवाहा, इमरान हाशमी, सुनील गुप्ता, एसपी टेकला, हरी नारायण कुशवाहा, हनीफ घोसी, देवी प्रसाद तिवारी, मोहन मिश्रा, प्रवीण मिश्रा, आदि सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

ओम जन सेवा संस्थान की टीम ने चाय बिस्किट किया वितरण

बीपीएस न्यूज

फतेहपुर।उत्तर भारत में भीषण ठंड से लोगों का जीना हो रहा है दूभर भीषण ठंड को देखते हुए ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्षा शिव देवी अग्रहरि (सीमा) के नेतृत्व में भावना दिव्यांग विद्यालय जी0 टी0 रोड फतेहपुर में चाय - बिस्किट वितरण किया। बड़ी संख्या में आमजनमानस ने भाग लिया।अन्त में भावना दिव्यांग विद्यालय की प्रधानाचार्य ने ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्षा शिव देवी अग्रहरि व कानपुर नगर के उपसभापति कैलाश पाण्डेय की पत्नी सोनी पाण्डेय को स्मृति चिन्ह व शाल पहना कर सम्मानित किया।तुलसी,अदरक, इलायची वाली चाय का आनन्द लिया। शिव देवी अग्रहरि ने कहा कि हमारी संस्था लगातार ऐसे कार्य कराती रहती कम्बल व ऊनी वस्त्र का वितरण भी लगातार किया जा रहा है । इस चाय वितरण समारोह में प्रमुख रूप से शिव देवी अग्रहरि, सोनी पाण्डेय, भावना श्रीवास्तव, रीना, प्रीति, प्रियंका, अजय कुमार, पी एन श्रीवास्तव माधुरी आदि लोग मौजूद रहे।

गेंद फेंकते समय युवक को पड़ा हार्ट अटैक, मैदान में गिरा, मौत

कानपुर। किदवईनगर स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में गेंदबाजी करते समय हार्ट अटैक पड़ने से 32 साल के भानु शुक्ला की मौत हो गई। ओवर की तीसरे फेंकने के समय भानु के हाथ से गेंद छूट गई और वे मैदान पर ही गिर पड़े। साथी उन्हें आननफानन कार्डियोलॉजी लेकर पहुंचे।यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दबौली निवासी भानू शुक्ला एक फाइनेंस कंपनी में काम करते थे। चाचा राजेश शुक्ला ने बताया कि भानू सुबह करीब 12 बजे कंपनी के साथियों के साथ क्रिकेट खेलने गया था। गेंदबाजी के दौरान उसे अटैक पड़ गया।साथी उसे कार्डियोलॉजी ले गए। करीब दो बजे एक साथी ने फोन कर घर वालों को घटना की जानकारी दी। परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंचे, इस बीच डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन उसे सर्वोदयनगर स्थित एक निजी अस्पताल में लेकर आए, पर यहां भी डॉक्टरों ने मृत होने की बात कही।शाम को भानू का भैरोंघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। भानू के पिता संतोष शुक्ल बीआईसी से सेवानिवृत्त हैं और मां नम्रता गृहिणी हैं। पांच साल पहले भोगनीपुर निवासी आरती से उनकी शादी हुई थी। तीन वर्ष के जुड़वा बच्चे आद्विवक और आध्या हैं।

सर्दी से बचाव के लिये लगातार 10 दिन चाय वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर।उत्तर भारत मे भीषण ठंड से आमजनमानस का जीना दूभर हो गया। उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आदेश पर पूरे महराजपुर विधान सभा मे अलाव जलाने व चाय वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी मे आज भारतीय जनता पार्टी की हरजिंदर नगर, टीम ने वार्ड अध्यक्ष सोनू बाबा के नेतृत्व मे आज चकेरी चौकी चौराहे मे अलाव जलाकर व चाय वितरण किया ।इस बाबत भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान महामंत्री राकेश तिवारी ने कहा कि वार्ड-28 चाय के साथ गरीबो के लिए अलाव जलाकर उनको राहत देने का भी प्रयास किया जा रहा है। नन्दू शुक्ला ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के आदेश अनुसार आज चकेरी पुलिस चौकी चौराहे पर चाय वितरण व अलाव जलाकर गरीबो को राहत देने का संकल्प लिया।हमारी टीम लगातार 10 दिन तक वार्ड 28 के विभिन्न मुहल्ले मे कैप लगवा कर चाय वितरित करने का संकल्प लिया ।चाय वितरण समारोह मे प्रमुख रूप से राकेश तिवारी, सुमित बघावन, पार्षद मोहनी शुक्ला, नन्दू शुक्ला, दिनेश शास्त्री,अनिल गुप्ता,अमित दुआ,अकित वर्मा, रवींद्र राय,अक्कू यादव,आयुष पाल,अशोक मेम्बर ,जीतू विश्वकर्मा,संजय शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

गद्दा गोदाम में लगी भीषण आग, साढ़े चार लाख के गद्दे, दो ट्रैक्टर व कार जली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के गंगपुर चकबदा में शनिवार आधी रात के बाद गद्दा गोदाम में आग लग गयी। देर रात दो गाड़ियां बिल्हौर अग्निशमन केंद्र और एक गाड़ी फजलगंज अग्निशमन केंद्र से मौके पर पहुंची और करीब 3 घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने से करीब साढ़े चार लाख रूपये के गद्दे के आलावा गोदाम में खड़े दो ट्रैक्टर और एक ईको स्पोर्ट्स कार भी जल गयी।

करीब 15 लाख का नुकसान हुआ। आग लगने का कारण नहीं पता चल सका। गंगपुर चकबदा निवासी भाजपा नेता भैय्यन दुबे ने अपना गोदाम कल्याणपुर निवासी सौरव गुप्ता को किराए पर दे रखा है। जिसमें सौरव ने गद्दा गोदाम बना रखा है। सौरव के मुताबिक करीब साढ़े चार लाख रूपये का माल गद्दा गोदाम में था और केयरटेकर अपने गांव खिचड़ी के लिए छुट्टी लेकर गया था और गोदाम में कोई नहीं था।गोदाम में ही भाजपा नेता भैय्यन दुबे के दो ट्रैक्टर और एक ईको स्पोर्ट्स कार भी खड़ी थी। विकराल आग की चपेट में आने से दोनों ट्रैक्टर और कार भी जल गई। गोदाम का टीन शेड और लोहे के एंगल आग की वजह से टेड़े हो गए और गोदाम की पक्की दीवारी भी चटक गई।

युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिल्हौर में ईदगाह रोड पर युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। क्षत्रियों ने संबंधित थाने की पुलिस को घटना की जानकारी दी। मृतक की शिनाख्त लवकुश पुत्र नन्ने (40) निवासी किदवई नगर बिल्हौर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक नशे का आदी था। सूचना मिलते ही बिल्हौर इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह व कस्बा इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दरगाह में लगे कैमरे खंगाले। सीसीटीवी में एक तेज रफ्तार डीसीएम भागते दिखी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।